सूर्योदय : 06.26 बजे
सूर्यास्त : 05.34 बजे
बुधवार, 19 अक्टूबर 2022
वर्ष-2-अंक 302
मूल्य 2 पृष्ठ 8
e-mail: aknewstv2@gmail.com
RNI TITLE CODE : UPHIN49345

हिन्दी दैनिक

अमर ख्याल

जुनून सच का

(महमूदाबाद) सीतापुर से प्रकाशित

ख़ास ख़बर

श्रीलंकाई लेखक शेहान को बुकर पुरस्कार

लंदन/कोलंबो। श्रीलंकाई लेखक शेहान करुणातिलक को उनके दूसरे उपन्यास द सेवन मून्स ऑफ माली अल्मेडा के लिए 2022 के बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वर्ष 1992 में द इंग्लिश पेशेंट के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाले माइकल ओंडात्जे के बाद, करुणातिलक (47) साहित्यिक पुरस्कार के तौर पर 50,000 ग्रेट ब्रिटेन पाउंड (जीबीपी) की रकम जीतने वाले दूसरे श्रीलंकाई मूल के व्यक्ति बन गए। उन्हें सोमवार की रात लंदन में एक समारोह में पुरस्कृत किया गया।

राउत की सुनवाई 21 अक्टूबर को जारी रहेगी, न्यायिक हिरासत बढ़ी

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को कहा कि वह कथित धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए गए शिवसेना सांसद संजय राउत की जमानत याचिका पर 21 अक्टूबर को सुनवाई जारी रखेगी। विशेष न्यायाधीश एम जी देशपांडे ने राउत की न्यायिक हिरासत की अवधि भी 21 अक्टूबर तक बढ़ा दी, जब उन्हें मंगलवार को हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किया गया। अदालत में राउत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता एकनाथ खडसे से मिले, जो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके खिलाफ दर्ज धनशोधन मामले के सिलसिले में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए वहां आए थे।

तमिलनाडु : हिंदी थोपने के खिलाफ प्रस्ताव पारित

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा ने हिंदी थोपे जाने के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया और आधिकारिक भाषा पर संसदीय समिति की रिपोर्ट में की गई सिफारिशें लागू नहीं करने का केंद्र से अनुरोध किया।सीएम स्टालिन द्वारा लाए गए प्रस्ताव में कहा गया कि नौ सितंबर को राष्ट्रपति को सौंपी गई सिफारिश तमिल सहित राज्य भाषाओं के खिलाफ है और इन भाषाओं को बोलने वाले लोगों के हितों के भी खिलाफ है। संसदीय समिति ने जो सिफारिश की है वह दो भाषा की नीति के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव सदन द्वारा पारित किए गए ।

जरा हट के... बग्गा

उड़ान भरने के चंद सेकेंड बाद हेलीकॉप्टर हुआ दुर्घटनाग्रस्त

■ गोपेश्वर

केदारनाथ के निकट मंगलवार को दुर्घटनाग्रस्त हुआ हेलीकॉप्टर हिमालई मंदिर के निकट हेलीपैड से उड़ान भरने के बमुश्किल पांच सेकंड बाद ही दुर्घटना का शिकार हो गया था। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है। केदारनाथ हेलीपैड पर तैनात सुरक्षा कर्मी मनोहर सिंह ने बताया कि आर्यन एविएशन प्राइवेट लिमिटेड का हेलीकॉप्टर केदारनाथ के मात्र दो किलोमीटर दूर गरूड़चट्टी के निकट उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद घने कोहरे के बीच एक छोड़ी पहाड़ी से टकरा गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सिंह ने बताया कि हेलीकॉप्टर पहाड़ी के टकराने के बाद टुकड़े-टुकड़े हो गया और इसमें आग लग गई। उन्होंने कहा, इलाके में धुएं की चादर छा जाने के कारण शुरुआत में कुछ नजर नहीं आया, लेकिन जिस तरफ से हादसे की आवाज आई थी, हर कोई उस दिशा में दौड़ पड़ा। सिंह ने कहा कि धुआं कम होते ही नजर आ रहा था कि हेलीकॉप्टर में आग लगी है और उसके टुकड़े गरुड़चट्टी की चटानों पर बिखरे हुए थे। हादसे के समय दुर्घटनास्थल से कुछ दूरी पर मौजूद पुजारी अंकुर शुक्ला ने कहा कि जब उन्होंने हेलीकॉप्टर के बड़े हिस्से से आग की लपटें उठती देखीं, तभी उन्हें आभास हो गया था कि यह हादसा भीषण है। शुक्ला को केदारपुरी लौटने के बाद हादसे की विस्तृत जानकारी मिली। हादसे की वजह घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होना प्रतीत होती है।

मोदी की यात्रा पर गहलोत ने कसा तंज

गुजरात में पीएमओ की शाखा खोल दी जानी चाहिए

■ अहमदाबाद

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि गुजरात विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बार-बार राज्य की यात्रा करने के मद्देनजर प्रदेश में पीएमओ (प्रधानमंत्री कार्यालय) का एक अस्थाई कार्यालय बना देना चाहिए। राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत ने यहां संवाददाता सम्मेलन में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल पर भी तंज कसते हुए कहा कि हावभाव और बोलने की शैली के मामले में वह मोदी के भाई जैसे लगते हैं। उन्होंने गुजरात में चुनाव प्रचार पर आप द्वारा खर्च किए जा रहे धन के स्रोत पर भी सवाल उठाया। मोदी और दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल विधानसभा चुनावों से पहले बार-बार गुजरात का दौरा कर रहे हैं, जबकि कांगेस नेता राहुल गांधी की अनुपस्थिति सुस्पष्ट है। गुजरात चुनावों के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक गहलोत ने कहा, प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश चुनावों में जीत मिलने के अगले ही दिन से गुजरात का दौरा करना शुरू कर दिया था। दिल्ली (केंद्र) में कामकाज प्रभावित हो रहा है। उन्हें पीएमओ का एक अस्थाई कार्यालय गुजरात में खोल देना चाहिए, ताकि कामकाज सुगमता से चलता रहे।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री बहुत व्यस्त व्यक्ति होते हैं। उन्हें बार-बार राज्य का दौरा क्यों करना चाहिए? उनका नाम भर ही पर्याप्त है। क्या यह छोटी बात है कि इस राज्य के नेता प्रधानमंत्री हैं? (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह भी यहां डेरा डाल रहे हैं।

सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन, शांति भारत एवं चीन के बीच सामान्य संबंधों का आधार

■ नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन एवं शांति स्पष्ट तौर पर भारत और चीन के बीच सामान्य संबंधों का आधार हैं हालांकि समय समय पर शारतपूर्ण ढंग से इसे सीमा से जुड़े सवालों के समाधान के साथ जोड़ दिया जाता है। चीन की विदेश नीति और नए युग में अंतरराष्ट्रीय संबंध विषय पर सेंटर फार कंटेम्प्ररी चीन स्टडीज के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने यह बात कही।

विदेश मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्ष गंभीर चुनौती का समय था और यह संबंधों एवं महाद्वीप की संभावनाओं को लेकर था। उन्होंने कहा, वर्तमान गतिरोध का जारी रहना भारत या चीन किसी के लिए भी लाभदायक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि नई तरह की भाव भंगिमा, निश्चित तौर पर नई प्रतिक्रियाओं के

रूप में आएगी। भारत-चीन के संदर्भ में जयशंकर ने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन एवं शांति स्पष्ट तौर पर सामान्य संबंधों का आधार हैं।

उन्होंने कहा कि समय समय पर शारतपूर्ण ढंग से इसे सीमा से जुड़े सवालों के समाधान के साथ जोड़ दिया जाता है। जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ अधिक संतुलित और स्थिर संबंध के लिए भारत की तलाश उसे विविध क्षेत्रों एवं विकल्पों की ओर ले गई। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि इसके लिए शर्त बेहद मामूली रही है लेकिन 2020 में इसका भी उल्लंघन किया गया।

उन्होंने कहा कि 2020 के घटनाक्रम के मद्देनजर स्वभाविक रूप से ध्यान प्रभावी सीमा सुरक्षा पर गया।

जयशंकर ने कहा कि 2020 के बाद भारत और चीन के बीच असहमति दूर करने वाली व्यवस्था स्थापित करना आसान नहीं है लेकिन इस कार्य को दरकिनार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह तीन साझी बातों के आधार पर ही स्थाई बन सकती है, जिसमें आपसी सम्मान, संवेदनशीलता और हित शामिल हैं।

मोदी ने आतंकवाद, भ्रष्टाचार, मादक पदार्थों की तस्करी को वैश्विक खतरा बताया

■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को आतंकवाद, भ्रष्टाचार, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध शिकार और संगठित अपराध को मानवता के लिए वैश्विक खतरा बताया और कहा कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए विश्व के एकजुट होने का समय आ गया है।राजधानी दिल्ली स्थित प्रगति मैदान में आयोजित 90वीं इंटरपोल महासभा को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि आतंकवाद सिर्फ भौतिक रूप से ही नहीं मौजूद है, बल्कि वह अब साइबर खतरों और ऑनलाइन कट्टरता के माध्यम से अपना दायरा बढ़ा रहा है।उन्होंने कहा, एक सुरक्षित दुनिया हमारी साझा जिम्मेदारी है। जब अच्छी ताकतें एक दूसरे का सहयोग करती हैं, तो अपराध की ताकतें काम नहीं कर सकती हैं। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद, भ्रष्टाचार, मादक

पदार्थों की तस्करी, अवैध शिकार और संगठित अपराध को मानवता के लिए खतरा बताते हुए कहा कि जब खतरे वैश्विक होते हैं, तो प्रतिक्रिया केवल स्थानीय नहीं हो सकती है।

उन्होंने कहा कि आतंकवादियों, ड्रग कार्टेल, अवैध शिकार गिरोहों या संगठित अपराधों के लिए कोई सुरक्षित पनाहगाह नहीं हो सकती है।

इस महासभा में 195 देशों के प्रतिनिधि शिरकत कर रहे हैं। इन प्रतिनिधियों में सदस्य देशों के मंत्री, पुलिस प्रमुख, केंद्रीय ब्यूरो के प्रमुख और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल हैं।महासभा की बैठक यहां 18 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक चलेगी।महासभा, इंटरपोल का सर्वोच्च शासी निकाय है और साल में इसकी एक बार बैठक होती है। इस बैठक में इंटरपोल के कामकाज की समीक्षा की जाती है और महत्वपूर्ण फैसले भी लिए जाते हैं। बैठक में वित्तीय अपराधों और भ्रष्टाचार के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी।भारत में इंटरपोल महासभा की बैठक 25 वर्षों के अंतराल के बाद हो रही है। पिछली बार भारत में यह महासभा 1997 में हुई थी। भारत की स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर इस बार की महासभा का आयोजन नई दिल्ली में करने का विशेष मौका दिया गया है।महासभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, इंटरपोल के अध्यक्ष अहमद नासर अल रईसी और उसके महासचिव महासचिव जुर्गन स्टॉक भी मौजूद थे।

सीबीआई की अर्जी खारिज होने से न्यायपालिका में विश्वास बढ़ा : राजद

■ नई दिल्ली

राजद ने आईआरसीटीसी से जुड़े कथित घोटाले में बिहार के उपमुख्यमंत्री की जमानत रद्द करने संबंधी सीबीआई की अर्जी दिल्ली की एक अदालत द्वारा खारिज किए जाने पर मंगलवार को खुशी जाहिर की। राजद प्रवक्ता मनोज झा ने कहा कि इस फैसले ने न्यायपालिका में उनकी पार्टी (राजद) के विश्वास को मजबूत किया है। राजद प्रवक्ता ने कहा, यह क्षण काफी राहत भरा और खुशी देने वाला है। तेजस्वी यादव ने सदा ही न्यायपालिका पर अपना पूरा विश्वास जताया है और यह साबित हो गया है। विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल ने तेजस्वी से अधिक सावधानी बरतने और उपयुक्त शब्दों का चयन करने को कहा। बहस के दौरान तेजस्वी के वकील ने दावा किया कि उनके मुवक्किल ने जमानत के साथ लगाई गई किसी शर्त का उल्लंघन नहीं किया है। तेजस्वी के वकील ने कहा, मैं (तेजस्वी) विपक्षी दल में हूं और गलत कार्य पर सवाल उठाना मेरा कर्तव्य है।

कांग्रेस चुनाव

आज होगी मतगणना, 24 साल बाद बनेगा गैर-गांधी अध्यक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए बुधवार को मतगणना होगी और इसी के साथ 24 साल बाद गांधी परिवार के बाहर कोई नेता देश की सबसे पुरानी पार्टी का अध्यक्ष चुना जाएगा। पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के एक पदाधिकारी ने बताया कि मतगणना बुधवार सुबह 10 बजे से आरंभ होगी और उसके लिए सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा, देश के सभी मतदान केंद्रों से मतपेटियां कांग्रेस मुख्यालय लाई गईं हैं। इन्हें कांग्रेस मुख्यालय के भीतर बने स्ट्रॉन्ग रूम में रखा गया है। पार्टी मुख्यालय में ही मतगणना होगी। माना जा रहा है कि मतगणना के मौके पर दोनों उम्मीदवारों के एजेंट के अलावा उनके समर्थक भी कांग्रेस मुख्यालय पहुंचेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं समेत करीब 9500 डेलीगेट ने पार्टी के नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए सोमवार को मतदान किया था। कांग्रेस के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री ने बताया था कि करीब 96 प्रतिशत मतदान हुआ, हालांकि पूरे आंकड़े आने के बाद इसमें कुछ बदलाव हो सकता है। खड़गे और शशि थरूर इस चुनाव में उम्मीदवार हैं। गांधी परिवार से करीबी और कई वरिष्ठ नेताओं के समर्थन के चलते खड़गे की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है।

प्रधानमंत्री के वादे और इरादे में अंतर, महिलाओं के साथ सिर्फ छल किया: राहुल

■ नई दिल्ली

बिल्कीस बानो मामले की पृष्ठभूमि में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वादे और इरादे में अंतर साफ है तथा उन्होंने महिलाओं के साथ सिर्फ छल किया है। उन्होंने यह आरोप उस वक्त लगाया है जब एक दिन पहले सोमवार को गुजरात सरकार ने उच्चतम न्यायालय में कहा था कि बिल्कीस बानो सामूहिक दुष्कर्म मामले में 11 दोषियों को माफी देने के लिए केंद्र सरकार से मंजूरी ली गई थी। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, लाल किले से महिला सम्मान की बात, लेकिन असलियत में बलात्कारियों का साथ। प्रधानमंत्री के वादे और इरादे में अंतर साफ है, प्रधानमंत्री ने महिलाओं के साथ सिर्फ छल किया है। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा ने राहुल गांधी के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए कहा, देश इंतज़ार कर रहा है मोदी जी, कुछ इस मुद्दे पर भी अपने मन की बात बताइए। खेड़ा ने बिल्कीस मामले पर एक अन्य ट्वीट में कहा, जहां सरकार बलात्कार की शिकार का मज़हब और बलात्कारी का धर्म देख कर अपने निर्णय ले, क्या वहाँ अब कुछ बचा है लड़ने को?

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने आंध्र प्रदेश में प्रवेश किया

कुरनूल (आंध्र प्रदेश)। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा मंगलवार को आंध्र प्रदेश में प्रवेश कर गई। वह पड़ोसी कर्नाटक से अलुरु निर्वाचन क्षेत्र के हलहरवी पहुंचे।

राहुल ने चतरागुडी में हनुमान मंदिर से अपना पैदल मार्च जारी रखा। राहुल मंगलवार को अपनी यात्रा के तहत अलुरु, हट्टी बेलागल और मुनिकुर्ती से होकर गुजरेंगे। वह अदोनी के छगी गांव में रात्रि विश्राम करेंगे। यह यात्रा 21 अक्टूबर तक आंध्रप्रदेश में जारी रहेगी, तब वह तेलंगाना के रास्ते कर्नाटक में फिर से प्रवेश करेंगे।

मुलायम सिंह यादव की अस्थियां आज गंगा में विसर्जित की जाएंगी

इटावा। सपा के संस्थापक दिवंगत मुलायम सिंह यादव की अस्थियां बुधवार को प्रयागराज में गंगा नदी में विसर्जित की जाएंगी। पारिवारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इसके पहले यादव के बड़े बेटे व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, बहु व पूर्व सांसद डिंपल यादव और छोटे भाई शिवपाल सिंह यादव समेत परिवार के अन्य सदस्यों ने सोमवार को हरिद्वार में पूर्व मुख्यमंत्री की अस्थियों का विसर्जन किया था। अखिलेश अपने परिजनों के साथ पिता का अस्थि कलश लेकर बुधवार सुबह 11 बजे हवाई जहाज से सैफई हवाई पट्टी से संगम तट प्रयागराज पहुंचेंगे।

कांग्रेस विधायकों व मंत्रियों के इस्तीफे स्वीकार करें विधानसभा अध्यक्ष : भाजपा

■ जयपुर

राजस्थान में मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को राज्य विधानसभा के अध्यक्ष सीपी जोशी से अनुरोध किया वह मंत्रियों व कांग्रेस विधायकों द्वारा पिछले दिनों दिए गए इस्तीफे स्वीकार कर लें। नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज जोशी को उनके आवास पर एक ज्ञापन सौंपा। कटारिया ने कहा कि अगर इस्तीफे स्वीकार नहीं किए जाते हैं तो कांग्रेस विधायकों को उन्हें वापस ले लेना चाहिए और राज्य के लोगों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी

चाहिए। कटारिया ने अपने ज्ञापन में कहा कि 25 सितंबर को संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल के आवास पर बैठक करने के बाद मंत्रियों सहित 91 कांग्रेस विधायकों ने स्वेच्छा से अपने अलग-अलग लिखे इस्तीफे दिए थे। उन्होंने कहा कि उक्त बैठक, कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की उस बैठक के समानांतर आयोजित की गई थी, जिसे पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा कांग्रेस में अंदरूनी कलह और राजनीतिक संकट के कारण एक नए मुख्यमंत्री का चयन करने के निर्देश पर बुलाया गया था। उन्होंने कहा कि करीब तीन सप्ताह बीत चुके हैं और 91 विधायकों के त्यागपत्र पर फैसला विधानसभा अध्यक्ष के पास विचाराधीन है।

उन्होंने कहा, भाजपा विधायक दल आपसे (जोशी) अनुरोध करता है कि स्वेच्छा से दिए गए विधायकों के त्याग पत्र स्वीकार करें या विधायक आपके सामने पेश होकर इस्तीफा वापस ले लें और राज्य के लोगों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

ज्ञानवापी: एएसआई 10 दिन में जवाबी हलफनामा दाखिल करे

एजेंसी ■ प्रयागराज

काशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी मस्जिद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एएसआई को जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए अंतिम अवसर के तौर पर 10 दिनों का समय मंगलवार को दिया। जवाबी हलफनामा दाखिल करने की यह अनुमति विधि सेवा समिति के पास 10,000 रुपए का भुगतान करने की शर्त के साथ दी गई। यह राशि सुनवाई की अगली तारीख 31 अक्टूबर, 2022 को या इससे पहले जमा की जानी आवश्यक है।न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने वाराणसी के अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए और मोहलत दिए जाने के एएसआई के अनुरोध पर अदालत ने कहा, इस मामले पर फिर से सुनवाई की गई। इस बीच, वरिष्ठ अधिवक्ता शशि प्रकाश सिंह और एएसआई की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह ने कम से कम छह सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया। अदालत ने कहा, चूंकि यह दीवानी वाद वाराणसी की दीवानी अदालत में 1991 से लंबित है, न्याय हित में अंतिम अवसर के तौर पर 10 दिन काफी हैं।

डी राजा को दूसरे कार्यकाल के लिए भाकपा महासचिव चुना गया

विजयवाड़ा। डी राजा को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए भाकपा का महासचिव चुना गया है। उन्हें यहां भाकपा की 24वीं राष्ट्रीय कांग्रेस की बैठक में सर्वसम्मति से महासचिव चुना गया। वामपंथी दल की राष्ट्रीय कांग्रेस में 11 सदस्यीय राष्ट्रीय सचिवालय का भी गठन किया, जिसमें डी राजा, के. नारायण, अतुल कुमार अंजान, अमरजीत कौर, कनम राजेंद्रन, बी.के. कांगो, विनय विश्वम, पल्लब सेनगुप्ता, अजीज पाशा, आर कृष्ण पांडा और नागेंद्रनाथ ओझा शामिल हैं। भाजपा ने 30 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी और 99 सदस्यीय राष्ट्रीय परिषद का भी गठन किया।

अदालत सामूहिक बलात्कार मामले में 11 दोषियों को रिहा किए जाने वाली याचिका

बिलकीस बानो मामले में गुजरात सरकार का जवाब बहुत बोझिल : कोर्ट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि बिलकीस बानो सामूहिक बलात्कार मामले में 11 दोषियों को रिहा किए जाने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुजरात सरकार का जवाब बहुत बोझिल है जिसमें कई फैसलों का हवाला दिया गया है लेकिन तथ्यात्मक बयान गुम हैं।

शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ताओं को गुजरात सरकार के हलफनामे पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया और कहा कि वह याचिकाओं पर 29 नवंबर को सुनवाई करेगी जिनमें 2002 के मामले में दोषियों को सजा में छूट और उनकी रिहाई को चुनौती दी गई है।

मामला गुजरात में हुए दंगों से जुड़ा है जिनमें

बिलकीस के परिवार के सात लोग मारे गए थे।

न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति सीटी रवि कुमार की पीठ ने कहा, मैंने कोई ऐसा जवाबी हलफनामा नहीं देखा है जहां निर्णयों की एक श्रृंखला उद्धृत की गई हो। तथ्यात्मक बयान दिया जाना चाहिए था। अत्यंत बोझिल जवाब। तथ्यात्मक बयान कहां है, दिमाग का उपयोग कहां है? पीठ ने निर्देश दिया कि गुजरात सरकार द्वारा दायर जवाब सभी पक्षों को उपलब्ध कराया जाए। माकपा की वरिष्ठ नेता सुभाषिनी अली और दो अन्य महिलाओं ने दोषियों को सजा में छूट दिए जाने और उनकी रिहाई के खिलाफ जनहित याचिका दायर की है।

शुरू में याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए समय चाहिए।

न्यायमूर्ति रस्तोगी ने कहा कि इससे पहले कि वह गुजरात सरकार के जवाब को पढ़ पाते, यह अखबारों में दिखाई दे रहा था। उन्होंने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि उन्होंने ऐसा कोई जवाबी हलफनामा नहीं देखा है जिसमें कई फैसलों का हवाला दिया गया हो। उन्होंने कहा, आसान संदर्भ के लिए निर्णयों का उल्लेख किया गया, इससे बचा जा सकता था। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि अजनबी और तीसरे पक्ष सजा में छूट तथा दोषियों की रिहाई को चुनौती नहीं दे सकते। शीर्ष अदालत ने इसके बाद याचिकाकर्ताओं को समय दिया और मामले की सुनवाई के लिए 29 नवंबर की तारीख तय की। गुजरात सरकार ने सोमवार को शीर्ष अदालत में 1992 की छूट नीति के अनुसार दोषियों को रिहा करने के अपने फैसले का बचाव किया था और कहा था कि दोषियों ने जेल में 14 साल से अधिक की अवधि पूरी कर ली थी तथा उनका आचरण अच्छा पाया गया था।

पाठ्यक्रम अनुवाद की जटिलताओं से मुक्त हों

अब तक भारतीय प्रतिभाओं को अपनी आधी ऊर्जा अंग्रेजी सीखने में खर्च करनी पड़ती थी। खासकर गांव-देहात के उन छात्रों को यह समस्या झेलनी पड़ती थी, जहां कई स्कूलों में छठी कक्षा के बाद अंग्रेजी भाषा का परिचय होता था। यह इसलिये भी होना चाहिए था कि जनभाषा में शिक्षा हासिल करने से मरीज व डाक्टर के बीच सहज-सरल संवाद-संपर्क हो पायेगा। यह अच्छी बात है कि इस घोषणा के साथ ही सौ के करीब चिकित्सकों की एक टीम ने प्रथम वर्ष की मेडिकल की कुछ पुस्तकों का अनुवाद हिंदी में किया है। लेकिन यह मात्र शुरुआत भर है इस दिशा में अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। आजादी के बाद राजभाषा के रूप में हिंदी को स्थापित करने के मकसद से अंग्रेजी के शब्दों का जिस तरह जटिल शब्दों के रूप में अनुवाद किया गया, उससे हिंदी उपहास का ही पात्र बनी। लोगों से जोड़ने का मकसद लक्ष्य को न पा सका। बैंकों व अन्य संस्थानों में अंग्रेजी के जिन भारी-भरकम शब्दों का हिंदी में अनुवाद किया गया, वे इतने दुरूह व अव्यावहारिक थे कि लोगों को अंग्रेजी के शब्दों के प्रयोग में ही सुविधा होने लगी। कई बैंक अधिकारी भी इन शब्दों के उपयोग से परहेज करने लगे। ऐसी ही जटिल हिंदी का प्रयोग कई संस्थानों व सार्वजनिक स्थलों में नाम पट्टिका के अनुवाद के नाम पर किया गया कि इससे आमजन का मोह भंग होने लगा। कम से कम अब जब मेडिकल शिक्षा की हिंदी में उत्साहजनक शुरुआत हुई है तो इसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। बेशक, दुनिया में रूस, चीन, जापान आदि देशों ने मातृभाषा में मेडिकल व तकनीकी शिक्षा देकर दशकों पहले ये लक्ष्य हासिल कर लिये थे। आज जरूरत इस बात की है कि हिंदी में मेडिकल शिक्षा के उपलब्ध पाठ्यक्रम जहां अनुवाद की जटिलताओं से मुक्त हों, वहीं ज्ञान की दृष्टि से वैश्विक मानकों के अनुरूप हों।

> यह विडंबना है कि इस मुकाम तक पहुंचने में हमें सात दशक लग गये। देर से सही, इस शुरुआत को तार्किक परिणति तक पहुंचाने के लिये व्यावहारिक व वक्त की जरूरत के अनुरूप गुणवत्ता के प्रयासों की जरूरत है।

वैदिक विचार –स्वामी विद्यानंद 'विदेह'

सम्प्रश्न

स नः पिता जनिता स उत बन्धुर्धामानि वेद भुवनानि विश्वा।
यो देवानां नामध एक एव तं सम्प्रश्नं भुवना यन्ति सर्वा। अ 2.1.3

वेद के शब्दों में पिता वसु, माता शतक्रतु। वसु नाम धनैश्वर्य का है। क्रतु नाम कर्तृत्व-कर्मसाधना का है। पिता वसुरूप होता है, माता कर्मरूप होती है। पिता ऐश्वर्य प्रदान करता है, माता असंख्य कार्य करती है। तभी तो वेद में कहा गया है, त्वं हि नः पिता वसो त्वं माता शतक्रतो बभूविथ। अधा ते सुम्नमीमहे। वसो! तू ही हमारा पिता है, शतक्रतो! तू हमारी माता है, अतः हम तेरे प्रति सुख याचना करते हैं। पिता संतान के लिए धनैश्वर्य का संपादन करता है। माता अपने असंख्य सेवाकार्यों से संतान का पालन, पोषण और वर्धन करती है। परमात्मा हमारा पिता है। उसने हमारे लिए संसार में असंख्य ऐश्वर्य तथा नाना संपदाएं संपादन की हैं। पिता के ऐश्वर्यों का सेवन करते हुए हम उसके उपकारों के लिए सदा धन्यवाद करें और उसकी स्तुति, प्रार्थना, उपासना करें। जनिता का अर्थ है प्रादुर्भावयिता, प्रकट-प्रकाशित करनेवाला। उसने हमारे कल्याण के लिए ज्ञान-विज्ञानों का प्रकाशन किया है। उसने हमें ज्ञान-विज्ञानों तथा सत्य विद्याओं का वेदरूप अमित कोश प्रकाशित किया है।

आज का विचार –डॉ. विनोद दीक्षित

स्वतंत्र कौन

ईश्वर प्रदत्त विवेक का सम्मान करके प्राप्त शक्तियों का सदुपयोग करने में मनुष्य सर्वथा स्वतंत्र है। यह स्वतंत्रता ईश्वर की दी हुई है। इसके साथ मनुष्य सर्वथा परतंत्र है। उसे वास्तविक स्वतंत्रता उसी को कहा जा सकता है जो अपने प्राप्त विवेक का आदर करके सब प्रकार की चाहत से रहित हो गया है क्योंकि किसी भी प्रकार की चाह रखते हुए व्यक्ति स्वतंत्र नहीं हो सकता है। जब तक मनुष्य के अंतः करण में राग द्वेष और भोग वासना है तब तक वे स्वतंत्र नहीं हो सकता है।
आज का दिन आपके लिए मंगलमय एवं कल्याणकारी हो।
जय श्री राधे।

पत्र मिला

चीन की पार्टी का अधिवेशन

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की हर पांच साल पर होने वाली पार्टी कांग्रेस (महाधिवेशन) शुरू हुई है। इस बार इस आयोजन को लेकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में जैसी दिलचस्पी और कवरेज की व्यापकता दिखी है, वैसा शायद ही पहले कभी हुआ हो। इसका कारण संभवतः चीन की दुनिया में बढ़ी हैसियत है। दूसरा कारण चीन और अमेरिका (या पश्चिमी देशों) का बढ़ा टकराव है। वैसे इस टकराव के पीछे भी असली कारण चीन की बढ़ी ताकत ही है, जिसे पश्चिमी देश दुनिया पर अपने वर्चस्व के लिए बड़ी चुनौती मान रहे हैं। पिछले हफ्ते अमेरिका के जो बाइडेन प्रशासन ने 'राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति' का दस्तावेज जारी किया, तो उसमें भी ये बात दो-टूक स्वीकार की गई कि अमेरिकी जीवन प्रणाली के लिए चीन सबसे बड़ी चुनौती बन कर उभरा है। इसमें इस बात की ओर ध्यान दिलाया गया कि चीन अमेरिकी वर्चस्व को तोड़ने का इरादा रखता है और ऐसा करने के लिए जरूरी आर्थिक, सैनिक और तकनीकी ताकत वह तेजी से हासिल करता जा रहा है।ये बातें एक ध्रुवीय दुनिया की समाप्ति और दुनिया के दो खेमों में बंटने वर्तमान परिघटना की तरफ इशारा करती हैं। ऐसे में जिस तरह अमेरिकी चुनाव में दुनिया दिलचस्पी दिखाती है, कुछ-कुछ वैसा ही सीपीसी की 20वीं कांग्रेस के मौके पर देखने को मिला है। **रवि मल्होत्रा, नई दिल्ली**

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र नई दिल्ली होगा। प्रकाशित सामग्री या विज्ञापन से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्रवाई या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की जा सकती है।

संघ प्रमुख की बताई राह पर चल भारत बनेगा विश्व गुरु

कृष्ण मोहन झा
लेखक समसामयिक मामलों के जानकार हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक चालक मोहन भागवत अक्सर अपने भाषणों में इस बात पर विशेष जोर देते हैं कि अब वह समय आ चुका है जब भारत को विश्वगुरु बनकर सारी दुनिया को सही राह दिखाने की जिम्मेदारी स्वीकार करने के लिए आगे आना चाहिए।उनका मानना है कि दुनिया के शक्तिशाली अपनी शक्ति का उपयोग अपने निजी स्वार्थों के लिए कर रहे हैं जबकि भारत दुनिया के किसी देश का अहित करने की दृष्टि से कोई काम नहीं करता। संघ प्रमुख के इस कथन का आशय यही है कि भारत अब दुनिया में एक शक्तिशाली देश के रूप में उभर रहा है परंतु भारत ने यह शक्ति अपनी सुरक्षा के लिए संचित की है । किसी दूसरे देश में आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए भारत ने अपनी शक्ति का उपयोग कभी नहीं किया ।'यशस्वी भारत' शीर्षक से संघ प्रमुख के व्याख्यानों का जो संकलन प्रकाशित हुआ है उसमें शामिल एक भाषण में संघ प्रमुख कहते हैं कि 'सारी दुनिया को सुख शांति पूर्वक जीवन जीने की सीख अपने जीवन से देने वाला भारत ही है।' इसी पुस्तक में शामिल एक अन्य भाषण में उन्होंने भारत को सारी दुनिया को अभय देने वाला अपने आप में स्वसुरक्षित एक ऐसा राष्ट्र बताया है जो संपूर्ण दुनिया को फिर से एक बार युगानुकूल मानव संस्कृति की दीक्षा देगा। मोहन भागवत का स्पष्ट मत है कि अग्रजन्मना होने के नाते दुनिया को जीवन की शिक्षा देना हमारा दायित्व है संघ प्रमुख के इन विचारों का निहितार्थ यही है कि भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता का धनी राष्ट्र है। दुनिया के समृद्ध और शक्तिशाली देशों की प्रगति में भारतीय मूल के प्रतिभाशाली युवाओं का अमूल्य भारत की ज्ञान संपदा का परिचायक है। भारतीय मूल की उत्कृष्ट प्रतिभाएं वर्तमान समय में विश्व के विकसित और समृद्ध देशों में महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उच्च पदों पर आसीन हैं। आज स्थिति यह है कि उन देशों में भारतीय मूल के वैज्ञानिकों चिकित्साशास्त्रियों , शिक्षाविदों की सहभागिता के बिना उन देशों की प्रगति की रफ्तार मंद पड़ सकती है । इसी संदर्भ में विगत दिनों भोपाल में आयोजित विश्व संघ शिक्षा वर्ग के सम्मेलन में संघ प्रमुख ने जो विचार व्यक्त किए वे यहां विशेष उल्लेखनीय हैं। संघ प्रमुख ने विदेशों में रह रहे स्वयंसेवकों का आह्वान किया था कि भारत को समृद्ध और विश्व गुरु बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्हें वहां अपने कार्य में उत्कृष्टता अर्जित कर वहां के लोगों के लिए आदर्श बनना चाहिए। दुनिया उनका अनुसरण करेगी तो नया वातावरण और सुखी विश्व का निर्माण होगा। संघ प्रमुख ने विभिन्न अवसरों पर अपने सारगर्भित सुझावों के माध्यम से यह बताया है कि भारत को विश्वगुरु की भूमिका निभाने के लिए अपने अंदर क्या बदलाव लाने होंगे। भागवत कहते हैं कि विश्व गुरु बनने के लिए हमें पूर्वज महापुरुषों का स्मरण करते हुए , सुर से सुर मिलाकर एक ताल में कदम मिलाते हुए आगे बढ़ना होगा। आज अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत की जो प्रतिष्ठा है उससे यह संदेश मिलता है कि भारत विश्वगुरु

बनने की राह पर अग्रसर है। अहम मसलों पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की राय को अहमियत प्रदान की जा रही है । ज्वलंत मुद्दों पर भारत की राय को अनसुना नहीं किया जा सकता। अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत ने आज जो प्रतिष्ठा अर्जित की है वह भारत को विश्वगुरु की भूमिका निभाने का हकदार बनाती है। यह गौरव वही राष्ट्र अर्जित कर सकता है जो वसुधैव कुटुंबकम् के मूल मंत्र को आत्मसात किया हो । अभी दुनिया के अधिकांश देशों को विगत दो वर्षों में जब भयावह कोरोना त्रासदी का सामना करना उस समय भी भारत ने दिल खोलकर कमजोर और गरीब देशों की मदद की। कोरोना वैक्सीन के उत्पादन और गरीब देशों को उसका निर्यात करने में भारत ने जो विशाल हृदयता दिखाई उसने कोरोना काल में भारत को विश्वगुरु की भूमिका में ला दिया था। कोरोना काल में भारत अपनी एकात्म मानव दृष्टि के कारण सारी दुनिया में सराहना का पात्र बना। इसमें कोई संदेह नहीं कि संपूर्ण विश्व को को एक परिवार मानने वाली भारतीय संस्कृति में वे सारी विशेषताएं मौजूद हैं जो आगे आने वाले समय में सारी दुनिया को भारत को विश्वगुरु के रूप में मान्यता प्रदान करने के लिए विवश कर देंगी । इसलिए इसमें दो राय नहीं हो सकती कि दुनिया को सुख शांति के जिस रास्ते की तलाश है वह भारत ही दिखा सकता है । इसका एक ही मतलब है कि विश्व गुरु बनने की भारत की सामर्थ्य को सारी दुनिया स्वीकार कर चुकी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसी काम में लगा हुआ है। संघ हमेशा ही जिस हिंदुत्व का पक्षधर रहा है उस हिंदुत्व की भारत को विश्वगुरु का सम्मान दिलाने में सबसे बड़ी भूमिका है क्योंकि हिंदुत्व का मतलब सबकी विविधता में एकता है। यही विविधता में एकता हमारी संस्कृति की मुख्य पहचान है। गांधीजी ने हिंदुत्व को सत्य की अनवरत खोज के रूप में परिभाषित किया था। संघ प्रमुख ने कहा है कि संघ का अधिष्ठान सत्य और शुद्ध है। इसीलिए सारी दुनिया में हिंदुत्व की स्वीकार्यता बड़ी है। बडे बड़े देशों को भी यह महसूस होने लगा है कि सबको एक सूत्र में बांधने वाला हिंदुत्व जिस देश की संस्कृति की पहचान है वह विश्व गुरु बनकर सारी दुनिया को नयी राह दिखा सकता है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने एक बार कहा था कि दुनिया के दूसरे देशों की आकांक्षाओं के अनुरूप यदि हम भारत को विश्वगुरु के रूप में खड़ा करना चाहते हैं तो हमें हमारी सनातनता को, हमारी प्राचीनता को और तब से आज के सातत्य को स्थापित करना पड़ेगा।

विद्वानों पर इसके प्रमाण प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी है । हमारी प्राचीन गौरवशाली संस्कृति से नयी पीढ़ी को अवगत कराने के लिए पाठ्य-पुस्तकों में भी प्रमाण सहित इसका वर्णन शामिल करने की आवश्यकता है तभी नई पीढ़ी इसे स्वीकार करेगी। संघ प्रमुख इसी संदर्भ में रामसेतु का उदाहरण देते हुए कहा था कि पहले रामसेतु के अस्तित्व पर बहुत संदेह व्यक्त किया गया लेकिन जब इसके प्रमाण प्रस्तुत किए गए तो सारी दुनिया ने रामसेतु की प्रामाणिकता को स्वीकार किया। संघ प्रमुख ने हमारे देश के प्राचीन सांस्कृतिक गौरव से नई पीढ़ी को परिचित कराने के लिए उसे पाठ्यक्रम में शामिल करने का जो बहुमूल्य सुझाव दिया है उसे निश्चित रूप से अमल में लाया जाना चाहिए । हम अपने महापुरुषों के विचारों को आत्मसात करके विश्व गुरु बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर हो सकते हैं। अगर हम दुनिया में भारत को विश्वगुरु के रूप में खड़ा करना चाहते हैं तो हमें मातृशक्ति के सम्मान की सनातन परंपरा को जीवित रखना होगा। भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए देश की आधी आबादी का पुरुषों के बराबर योगदान सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

संघ का हमेशा यह मानना रहा है कि चरित्रवान और संस्कारित व्यक्ति ही परमवैभव संपन्न शक्ति शाली राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं इसलिए 1925 में अपनी स्थापना से लेकर अब तक वह व्यक्ति निर्माण के पुनीत अभियान में जुटा हुआ है। उसने इतने वर्षों में लाखों करोड़ों कार्यकर्ता तैयार किए हैं जिन्होंने स्वयं को समाज और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित कर दिया है । भारत को परमवैभव संपन्न शक्ति शक्ति राष्ट्र बनाना ही उनका एकमात्र लक्ष्य है जो संपूर्ण विश्व को सुख-शांति का वह रास्ता दिखा सके जिस पर चले बिना विश्व के कल्याण की कल्पना नहीं की जा सकती। संघ प्रमुख के अनुसार भारत अब दुनिया में ऐसे राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है जहां सारे सारी दुनिया के लोग आकर चरित्र की शिक्षा लेकर अपने देश लौटेंगे और वहां की भाषा, पूजा पद्धति और भूगोल के अनुरूप मानवता का काम करेंगे।

किसने क्या कहा...

"यूपी में भाजपा नीत सरकार बनने से पहले महिलाएं शाम के बाद घर से निकलने से डरती थीं, लेकिन अब अपराधी डरे हुए हैं :डी. पुरंदेश्वरी

वोक्कालिगा समुदाय की आरक्षण की मांग पर अनेक फैसलों, रिपोर्ट पर विचार करेगी सरकार : बोम्मई

बिलकीस बानो के दोषियों को रिहा पूरे देश को शर्मसार किया है। इसके लिए अमित शाह को इस्तीफा देकर पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए : सिद्धरमैया

'पर्यावरण और दलित कार्यकर्ताओं सहित गैर-राजनीतिक ताकतों को धर्मनिरपेक्ष क्षेत्रीय दलों के साथ आना चाहिए : सीताराम येचुरी"

कार्टून...

हिमस्खलन की त्रासदी से सबक लेना जरूरी

पर्यावरण
मुकुल व्यास

गत चार अक्तूबर को उत्तरकाशी जिले के द्रौपदी का डांडा-2 शिखर पर हिमस्खलन में 27 युवा प्रशिक्षु पर्वतारोहियों की मौत बहुत ही त्रासद प्राकृतिक आपदा है। इस त्रासदी ने पर्वतारोहण विशेषज्ञों को स्तब्ध कर दिया है। उनका कहना है कि उत्तराखंड में द्रौपदी का डांडा-2 शिखर पर पिछले तीन दशकों में हिमस्खलन का कोई इतिहास नहीं है। डांडा-2 चोटी समुद्र तल से 5,006 मीटर की ऊंचाई पर द्रौपदी का डांडा क्षेत्र में स्थित है। पर्वतारोहण प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए यह चोटी सबसे सुरक्षित मानी जाती है। सुरक्षित स्थल होने के कारण सभी पर्वतारोहण संस्थान यहां प्रशिक्षण आयोजित करते हैं। यह क्षेत्र देहरादून के वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों की नियमित निगरानी के अधीन भी है। वे यहां के हिमनदों की जांच करते रहते हैं। यहां के बारे में हमेशा अपडेट उपलब्ध रहते हैं।

पहाड़ों में आपदाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। अभी कुछ समय पहले ही उत्तराखंड में बादल फटने की घटनाओं में जान-माल की भारी क्षति हुई है।

हाल के दिनों में पर्वतीय राज्यों में हिमस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। हिमस्खलन की घटनाओं के बढ़ने के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सितंबर के आखिरी कुछ हफ्तों में असामान्य रूप से भारी वर्षा के कारण उत्तराखंड के ऊपरी इलाकों में भारी बर्फबारी हुई है। संभवतः इसी वजह से हिमस्खलन की शुरुआत हुई होगी। विशेषज्ञ हिमस्खलन के अन्य संभावित कारणों की भी जांच कर रहे हैं।

सितंबर के आखिरी कुछ हफ्तों में उत्तरी भारत में भारी बारिश हुई। उत्तराखंड में कम ऊंचाई वाले इलाकों में तेज बारिश हुई, जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फ गिरी। वाडिया इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों का कहना है कि पहाड़ की चोटी पर जितनी बर्फ जमा हो सकती है, उससे अधिक बर्फ जमा हो गई है। यह अतिरिक्त बर्फ पहाड़ की ढलान से नीचे की ओर खिसकती है जिससे हिमस्खलन होता है। एक विशेषज्ञ ने डांडा की घटना को 'पाउडर हिमस्खलन' कहा, जिसमें ढीली बर्फ पहाड़ से नीचे फिसलती है। वाडिया इंस्टीट्यूट के एक सेवानिवृत्त हिमनद वैज्ञानिक डी.पी. डोभाल ने हिमस्खलन के लिए सितंबर में भारी बारिश को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि इस मानसून में राज्य के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अधिक मात्रा में हिमपात हुआ है। जब एक चोटी की ढलान 40-50 डिग्री के कोण से अधिक हो जाती है और उस ढलान पर जमा बर्फ 2-2.5 फुट से अधिक होती है तब वजन और गुरुत्वाकर्षण के कारण हिमस्खलन होता है। केदारनाथ घाटी में 22 सितंबर, 26 सितंबर और 2 अक्तूबर को भी हिमस्खलन की घटनाएं हो चुकी हैं। उनमें से एक घटना केदारनाथ मंदिर से महज पांच किलोमीटर दूर चोराबाड़ी ग्लेशियर में हुई। यह पहला अवसर नहीं है जब उत्तराखंड में साल के इस समय हिमस्खलन हुआ है। नंदा देवी अभयारण्य के पास त्रिशूल चोटी पर पिछले साल एक अक्तूबर को चार नौसैनिक हिमस्खलन की चपेट में आ गए थे।

दक्षिण-पश्चिम मानसून आमतौर पर सितंबर के पहले सप्ताह में उत्तराखंड से पीछे हटना शुरू कर देता है। इस बार सितंबर के आखिरी हफ्ते में भी बारिश हुई जो औसत से 20-59 प्रतिशत अधिक थी। सामान्य तौर पर हिमस्खलन की कई वजहें होती हैं। जब भौगोलिक स्थिति और वहां के वनक्षेत्र में कोई बदलाव होता है, तब भूस्खलन की आशंका बढ़ जाती है। दूसरी वजह हिमपात के दौरान बर्फ की मोटाई में होने वाला परिवर्तन। अगर इस दौरान इन इलाकों में हवा तेज चली तो हिमस्खलन हो सकता है। भूकंप की वजह से भी हिमस्खलन होता है। हिमस्खलन बड़ी त्रासदी लाने में सक्षम होता है।

सियाचिन से लेकर लाहौल तक ऐसे कई उदाहरण हैं, जब बड़ी संख्या में लोगों की मौत हिमस्खलन से हुई है। जिन क्षेत्रों में बड़े-बड़े पर्वतीय ढलान होते हैं, वहां भी हिमस्खलन की घटनाएं ज्यादा होती हैं। जैसे ही बर्फबारी होती है, बर्फ ढलानों से फिसलने लगती है। बर्फ के छोटे-छोटे कण जम नहीं पाते और बड़ा हादसा हो जाता है। कई बार प्राकृतिक कारणों से बर्फ की बड़ी-बड़ी स्लैब इन्हीं ढलानों पर गिर जाती हैं। गिरते ही ये तेजी से नीचे की खिसकने लगती हैं। जब पर्वतीय क्षेत्रों में आंधी आती है, तब भी भीषण तबाही मचती है। दरअसल, बर्फ के छोटे-छोटे कण और बर्फ के बड़े स्लैब, मिलकर आकार में बड़े हो जाते हैं। बर्फ के बड़े-बड़े कई स्लैब एक साथ खिसकने लगते हैं। जब वे अपने साथ मलबा और चट्टान लेकर खिसकते हैं, तब बड़ी त्रासदी होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ पिघलने की दर तेज हो रही है। पहाड़ों के काटे जाने से हिमालय की नाजुक और ढीली पर्वतमाला गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। चाहे उत्तराखंड की पहाड़ियों में सड़कें, होटल हों या घरों का निर्माण, इस नुकसान की कीमत भविष्य में चुकानी पड़ेगी। इन पहाड़ियों पर मानव आबादी बढ़ रही है। सड़कों और अन्य विकास कार्यों के निर्माण के लिए पहाड़ों को बड़े पैमाने पर काटा जा रहा है। ये सभी पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं और प्रकृति के प्रकोप को आमंत्रित कर रहे है।

उपदेश

एक दिन गुरुनानक देव अपने शिष्यों के साथ किसी जंगल से गुजर रहे थे। उनके पास कांसे का एक कटोरा था। इस कटोरे से वे पानी पीते, खाना खाते थे। सभी शिष्य जानते थे गुरुनानक को ये कटोरा बहुत प्रिय है। जंगल में गुरुनानक को कीचड़ का एक गड्ढा दिखाई दिया तो उन्होंने अचानक वो कटोरा उस गड्ढे में फेंक दिया। ये देखकर सभी शिष्य हैरान हो गए। गुरुनानक ने सभी से कहा, जाओ, मेरा कटोरा कीचड़ से निकाल लाओ। कीचड़ बहुत गंदा था। सभी शिष्य सोचने लगे कि कीचड़ में से कटोरा कैसे निकालेंगे? पता नहीं ये कितना गहरा है? अंदर जाएंगे तो कपड़े खराब हो जाएंगे। इस तरह के सोच-विचार करने के बाद सभी शिष्यों ने अलग-अलग बहाने बना दिए कि वे कटोरा नहीं निकाल पाएंगे। गुरुनानक चुप होकर सभी की बातें सुन रहे थे, लेकिन गुरुनानक के प्रिय शिष्य लहना ने कपड़े गंदे होने की परवाह नहीं की और वह कीचड़ में उतर गया। उसने कटोरा कीचड़ से निकाला और उसे साफ पानी से धोकर गुरुनानक को दे दिया। बाद में यही शिष्य लहना गुरु अंगद के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इस कथा की सीख यह है कि गुरुनानक ने वो कटोरा कीचड़ में क्यों फेंका था? दरअसल, वे गुरु और शिष्यों के बीच के रिश्ते की परख करना चाहते थे। इस कथा की सीख यह है कि हम जिसे गुरु मानते हैं, उसकी हर बात माननी चाहिए। माता-पिता, कोई संत या अन्य कोई व्यक्ति, गुरु कोई भी हो सकता है। गुरु के साथ भरोसे का रिश्ता होना चाहिए। यही भरोसा गुरु और शिष्य के रिश्ते को मजबूत करता है।

> जंगल में गुरुनानक को कीचड़ का एक गड्ढा दिखाई दिया तो उन्होंने अचानक वो कटोरा उस गड्ढे में फेंक दिया। ये देखकर सभी शिष्य हैरान हो गए। गुरुनानक ने सभी से कहा, जाओ, मेरा कटोरा कीचड़ से निकाल लाओ। कीचड़ बहुत गंदा था। सभी शिष्य सोचने लगे कि कीचड़ में से कटोरा कैसे निकालेंगे? पता नहीं ये कितना गहरा है?

भाकियू लोकशक्ति ने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

अधिशासी अधिकारी की मिलीभगत से बेचा गया नगर पालिका परिषद मिलक का नाला उस्मान

अमर ख्याल। राहुल कुमार

रामपुर। मिलक/ मंगलवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के पदाधिकारी व कार्यकर्ता तहसील मिलक परिसर में एकत्रित हुए और मिलक अस्दुल्लापुर मंडी के पास एक नाले को भू माफियाओं ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी की मिलीभगत से बेच दिया इतना ही नहीं इस नाले का बैनामा और दाखिल खारिज भी हो गया लेकिन इतना कुछ होने के बाद भी ना तो तहसील प्रशासन और ना नगर पालिका परिषद द्वारा कोई कार्यवाही की गई इससे साफ प्रतीत होता है कि यह नाला इन दोनों की मिलीभगत से बेचा गया है राष्ट्रीय महासचिव उस्मान अली पाशा ने कहा जहां एक और सरकार भू माफियाओं से सरकारी जमीन कब्जा मुक्त करा रही है वही मिलक तहसील और नगर पालिका के अधिकारी भू माफियाओं को संरक्षण दे रहे हैं उन्होंने चेतावनी दी यदि जल्दी ही नाले को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया गया और खरीद-फरोख्त करने वाले लोगों के खिलाफ कार्यवाही नहीं की गई तो भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति तहसील और नगरपालिका अधिकारियों के पुतले पूरे जिले में फूंकेगी।प्रदर्शन कर ज्ञापन देने वालों में जिला महासचिव दानिश खान मुसर्रत अली मोहम्मद इस्लाम अफाक अहमद शराफत अली मोहन स्वरूप ओम प्रकाश महिपाल सिंह गंगवार अकील अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

एसपी ने चौकी सैदनगर थाना टांडा का किया औचक निरीक्षण

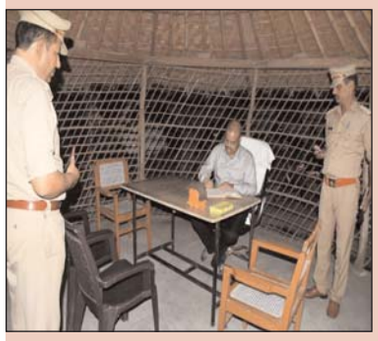

अमर ख्याल। राहुल कुमार

रामपुर। सोमवार की रात्रि में ढाई बजे करीब पुलिस अधीक्षक रामपुर अशोक कुमार द्वारा सैदनगर, रामपुर पर पहुंचकर चौकी सैदनगर का निरीक्षण किया गया जिसमें चौकी कार्यालय, हवालात, मैस, चौकी परिसर आदि को चैक कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये ।

दुष्कर्म करने में वांछित आरोपी गिरफ्तार

अमर ख़्याल। राहुल कुमार

रामपुर। मंगलवार को थाना स्वार पुलिस द्वारा दुष्कर्म के आरोप में वांछित आरोपी गिरफ्तार कर कार्यवाही की गयी अभियुक्त थाने पर पंजीकृत अभियोग धारा भादवि0 में वांछित था गुलफाम पुत्र मौ0 उमर निवासी मौ0 फतेहउल्लागंज नई वस्ती वार्ड 17 कस्वा व थाना ठाकुरद्वारा जनपद मुरादाबाद

सात माह से मासूम गायब का नहीं पता, परिजनों ने जिला मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

अमर ख्याल , राजेश कुमार

मथुरा। अखिल भारतीय समता फाउंडेशन एवं लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी मथुरा के तत्वाधान में राजकीय छात्रावास से नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय तक शांतिपूर्वक पैदल मार्च निकाल कर प्रदर्शन किया एवं नगर मजिस्ट्रेट जी को 1 सूत्रीय खुला मांग पत्र 7 माह पूर्व अपरहण किए गए 6 वर्षीय मासूम भोला पुत्र नाहर सिंह निवासी इंद्रपुरी कॉलोनी थाना हाईवे मथुरा का अभी बरामद बरामद नहीं किए जाने से दुखी होकर बेवस परिवारी जनों ने मजबूर होकर पुलिस की लापरवाही के खिलाफ अपहरण अपहरण करने वालों के विरुद्ध नामजद मुकदमा पंजीकृत कराने हेतु खुला मांग पत्र सौंपा पैदल मार्च प्रदर्शन के दौरान लुकेश कुमार राही, भाकियू महानगर अध्यक्ष पवन चतुवेर्दी, राजवीर सिंह अध्यक्ष सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी मथुरा, रमेश सैनी लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी मथुरा ने संयुक्त रुप से खुला मांग पत्र के दौरान तत्काल दोषियों पर मुकदमा पंजीकृत कराने की बात कही साथ ही चेतावनी दी अगर 15 दिन के अंदर अपहरण करने वाले दोषी लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत नहीं हुआ तो पीड़ित परिवार के साथ समस्त संगठन अनिश्चितकालीन अनशन करने को मजबूर होंगे करने को मजबूर होंगे जिसकी जिम्मेवारी जिला प्रशासन की होगी

प्रदर्शन के दौरान सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष मासूम भोला बरामद करो, बच्चों पर अत्याचार करने वालों का नाश हो ,बच्चों के साथ दुष्कर्म करने वालों का नाश हो ,अपहरण का करने वालों पर मुकदमा पंजीकृत हो के नारे लगाते हुए के विरोध कर आक्रोश व्यक्त किया '

सैकड़ों की संख्या में उपस्थित लोगों में फतेह सिंह प्रधान हीरामल नत्थी लाल सैनी भिक्को नेताजी राजवीर सिंह रमेश सैनी डॉक्टर रामवीर भूरी सिंह सैनी नगीनालूकेश कुमार राही राजेश कुमार रूपवती प्रताप कुमार सत्यवती आकाश कुमार गति प्रमोद कुमार शीला राम चरण रविंद्र सागर मुन्नी देवी कमलेश अंकित सागर विशाराम गीता बिरजू रेशमा सत्यवती बने सिंह हुकम सिंह डीलर बरसो देवी हरगोविंद प्रेमवती सुमन अनीता अंगूरी देवी त्रिवेणी रेशमा बबीता रूपन देवी लज्जा देवी पवन चतुवेर्दी भूरी सिंह सैनी चरण सिंह चंदन सिंह विपिन कुमार राजेश कुमार भीष्म नारसिंह मंतूराम विशाराम पपीता रश्मि विमलेश धर्मवीर आकाश बाबू अंकित सागर एडवोकेट देवेंद्र कुमारआदि ने शीघ्र मुकदमा पंजीकृत कराने की बाद दोषियों पर कार्रवाई की मांग की

बिना बाग का बंधा निर्माण कराए ही फर्जी मास्टर रोल तैयार कर निकाले लाखों

मामला उजागर होने पर प्रधान द्वारा आनन फानन की गई खानापूर्ति

अमर ख्याल संवाददाता

प्रतापगढ़। विकासखंड लक्ष्मणपुर के ग्राम सभा उमरपुर में भ्रष्टाचार का दीमक चट कर जा रहा है विकास की योजनाओं को सुनने में भले आपको ये महज बॉलीवुड की किसी मूवी का डायलॉग लग रहा हो लेकिन इसकी हकीकत देखनी है तो लक्ष्मणपुर ब्लॉक के उमरपुर में चले जाइए जहां गांव का जालसाज प्रधानपति कमलेश सरोज ने मनरेगा मजदूर की गाढ़ी कमाई का विलेन बन जीरो में ऐसा कारनामा किया कि इन मनरेगा मजदूरों का पूरा पैसा खुद ले उड़ा प्रधानपति अपने चहेतों के नाम जॉब कार्ड बनाकर प्रधान मनरेगा की योजनाओं में पलीता लगा रहा है कहते हैं न शून्य में जबतक कोई संख्या न हो तो उसका कोई अस्तित्व नहीं रहता लेकिन अगर कमलेश सरोज जैसा फरेबी प्रधानपति हो तो सब कुछ सम्भव है मनरेगा के तहत सरकारी योजनाओं में गड़बड़ी का नया मामला सामने आया है जहां ग्राम प्रधानपति रोजगार सेवक ब्लॉक के अन्य जिम्मेदार अधिकारियों का फजीर्वाड़ा सामने आ रहा है जहां ग्राम प्रधानपति ने गांव के ही व्यक्ति दूधनाथ के बाग का बंधा निर्माण कार्य प्रस्तावित कराया लेकिन जालसाज प्रधान ने फर्जी मास्टर रोल तैयार कर 125 मीटर बंधा निर्माण के नाम पर 91494 रुपए बिना कार्य कराए ही निकाल लिए जब यह भनक मीडिया को लगी तो इसकी हकीकत जानने पहुंचे उमरपुर गांव के व्यक्ति दूधनाथ के पास जिनके बाग का बंधन निर्माण कर दिखाया गया था लेकिन उन्होंने बताया कि अभी तक मेरे बाग का बंधा निर्माण कार्य प्रधान द्वारा नहीं कराया गया है हालांकि प्रधानपति ने मुझसे खतौनी व आदि कागजात तो ले लिए लेकिन अभी बाग का बंधा निर्माण नहीं कराए हैं पैसे निकाले जाने की बात पर उन्होंने कहा कि हमें नहीं पता है तो पैसे निकले हैं या नहीं उन्होंने मौके पर जाकर बाग का मुआयना करवाया बाग में कहीं भी बंधा निर्माण कार्य नहीं दिखा आपको बता दें कि इस भ्रष्टाचार के खेल में प्रधान सहित ब्लॉक के अन्य जिम्मेदार अधिकारी भी शामिल हैं योगी सरकार तो वैसे बहुत दावा करती है भ्रष्टाचार मुक्त का लेकिन योगी सरकार में भ्रष्टाचार को और बढ़ावा मिला है अब देखना यह है कि मामला उजागर होने के बाद जिले के जिम्मेदार अधिकारी इस पर क्या कार्रवाई करते हैं आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इसी ग्राम सभा के रामआधार के घर के पीछे तालाब की खुदाई दिखाई गई जबकि तालाब की भी खुदाई नहीं हुई और फर्जी तरीके से पैसे निकाले गए तालाब पानी और जलकुंभी उसे पटा पड़ा हुआ है

जिसकी खबर भी कल प्रमुखता से चली थी इस विषय में ग्राम प्रधानपति से दूर भाषा के जरिए संपर्क किया गया तो ग्राम प्रधानपति ने पत्रकार को ही गुमराह कर दिया उन्होंने बताया कि मेरे गांव में दूधनाथ नाम के तीन व्यक्ति हैं जो आप बता रहे हैं वह दूधनाथ की बाग नहीं है दूरभाष के जरिए ही प्रधानपति से कहा गया कि इस पर आप बयान देंगे तो उन्होंने समस्याएं बताते हुए कुछ दिनों का समय लिया जिसके बाद प्रधानपति से फिर सोमवार को दूरभाष के जरिए पूछा गया कि प्रधान जी आपने अभी तक नहीं बताया कौन से दूधनाथ के बाग का बंधा निर्माण आपने करवाया है नाम और पिता का नाम तो बता दीजिए लेकिन फिर प्रधानपति ने हीला हवाली करते हुए फोन कट कर दिए वही ग्रामीणों द्वारा पता चला कि 2 दिन पहले ही दूधनाथ बाग में बंधा निर्माण के नाम पर मेड़बंदी कर बकायदा मनरेगा का बोर्ड भी लगा दिया गया है मौके पर जाकर पत्रकारों की टीम ने देखा तो ग्रामीणों द्वारा बताएं गए सारी बातें सत्य पाई गई कार्य हाल ताज में ही कराए गए हैं ताकि दिखाया जा सके अधिकारियों को जब कि फोटो और वीडियो में देखा जा सकता है कि काम हाल ताज में ही कराया गया है और पत्रकारों द्वारा कैब्रेज पहले का फोटो वीडियो उसी बाग का है ग्राम प्रधानपति ब्लॉक ने ग्रामीणों के साथ-साथ पत्रकारों के भी आंख में धूल झोंकने का काम कर रहा हैं आखिर ऐसे ग्राम प्रधानपति कब होगी कार्रवाई बड़ा सवाल

प्रतिनिधिमंडल के पदाधिकारियों ने आम ग्राहकों से की अपील कि लोग ऑनलाइन खरीदारी ना करे

अमर ख्याल सोनी कुमारी

महराजगंज (रायबरेली) उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के पदाधिकारियों ने आम ग्राहकों से की अपील कि आप लोग ऑनलाइन खरीदारी ना करके कस्बे एवं क्षेत्र के दुकानदारों से आगामी आने वाले त्योहारों पर करें खरीदारी । उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के महराजगंज नगर अध्यक्ष अश्वनी कुमार सिंह उर्फ(पिंटू सिंह)ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि आप लोग आने वाले त्योहारों पर दीपावली धनतेरस मे कस्बे के दुकानदारों से खरीदारी करें जिससे कि उन दुकानदारों को भी कुछ लाभ हो क्योंकि जो खरीददारी आप इन दुकानदारों से करेंगे आपको उच्च क्वालिटी की वस्तु मिलेगी और अगर कोई परेशानी होगी तो आप उस दुकानदार से स्वयं मिल भी सकते हैं उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के महामंत्री प्रिन्सू वैश्य ने आम पब्लिक से निवेदन करते हुए कहा कि अबकी त्योहारों पर कस्बे और क्षेत्र के दुकानदारों से आप सामान खरीदें क्योंकि दीपावली जैसे त्योहार पर छोटे दुकानदारों को बहुत ज्यादा आशा रहती है और यह त्यौहार इन्हीं दुकानदारों के लिए होते हैं ऑनलाइन शॉपिंग करने से आप निश्चिंत नहीं रहेंगे और आपको वह क्या दे रहे हैं

आप बाद में इसकी शिकायत भी नहीं कर सकते वही युवा नगर अध्यक्ष अंकुर जायसवाल ने कहा की ऑनलाइन खरीदारी ना करके आगामी त्यौहारों पर कस्बे और क्षेत्रीय दुकानदारों से अधिक से अधिक खरीदारी करें जिससे कि उनकी भी आय में बढ़ोतरी हो कोरोना की वजह से वैसे भी 2 वर्षों से व्यापारियों की रीढ़ की हड्डी टूटी हुई है अगर आप लोग ऑनलाइन खरीदारी करेंगे तो यह दुकानदार जो सामान दुकान में लगा रखा है उसको आखिर कौन खरीदेगा

बच्चो को निबन्ध प्रतियोगिता कार्यक्रम के माध्यम से किया गया जागरूकता

दिलीप कुमार भारती

कुशीनगर सामुदायिक कल्याण एवम्-विकास संस्थान कुशीनगर की ओर से परियोजना उत्तर प्रदेश में दलित बच्चो को शिक्षा के लाभों को संस्थागत बनाना के अंतर्गत नेहरू इंटर कालेज मनसा छापर ब्लाक विशुनपुरा जिला कुशीनगर के तत्वाधान में वाद/ विवाद/ निबन्ध प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे कक्षा नौ व कक्षा दस के छात्र व छात्राएं ने प्रतिभाग किया । यह कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री रामनरेश प्रसाद, प्रबंधक श्री विजय दत्त शुक्ला के अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन रमाशंकर प्रसाद ने किया गया। निबन्ध प्रतियोगिता के महत्व पर बताया कि प्रतिस्पर्धा हमारी खूबियों को निखारने में मदद करती है जो हमारी प्रगति में मदद गार साबित होता है । लेखन न केवल आपके संचार कौशल को बेहतर बनाने में मदद करता है । बल्कि यह आपको सोचने का तरीका सिखाने में भी मदद करता है । निबन्ध लेखन कार्य के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। बच्चो ने निबन्ध लेखन के प्रश्नों का उत्तर लिखकर जमा किए। इस कार्यक्रम में रामाश्रय , राहुल वंदना भारती, मेनिका। चौधरी का सहयोग रहा

बलदेव में बाल्मीक सामाजिक विचार गोष्ठी संपन्न

अमर ख्याल , राजेश कुमार

मथुरा। जनपद में बहुजन महापुरुषों के विचारों को घर घर पहुंचाने का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है जनपद के बल्देव में स्थानीय वाल्मीकि बस्ती में वाल्मीकि जयन्ती के उपलक्ष में बाल्मीकि समाज आत्मनिर्भरता मिशन एवं सांस्कृतिक एव साहित्यकार मंच वर्णांजलि के तत्वाधान में पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत एक सामाजिक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सभा का संचालन संजीव भारती ने किया और कार्यक्रम की अध्यक्षता खजान सिंह प्रधान द्वारा की गई। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरूआत तथागत गौतम बौद्ध, बाबा साहब अंबेडकर व महर्षि बाल्मीकि जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर शुरूआत की गई जिसमें विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने वाल्मीकि समाज की सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक शैक्षिक पिछड़ेपन और समाज के विभिन्न पहलुओं पर विचार व्यक्त किए। गोष्ठी के आयोजन समिति के सदस्यों ने अतिथियों का पंचशील पटुका और माल्यार्पण कर सम्मानित किया इस समारोह में मोहनलाल, रामचंद्र, सुनील गौरव, दीपक, सुखदास, संतोष दास, सुरेश चन्द्र, महेश,पीपुष चौहान, रंजीत कुमार, आदि ने विचार व्यक्त किए शास्त्री सी बी विकल ने काव्य पाठ किया

भारी बारिश के चलते गरीब हुआ बेघर

अमर ख्याल , अरविंद अवस्थी

सीतापुर । विकासखंड रेउसा के अंतर्गत ग्राम पंचायत ईरापुर सुतौली के निवासी राम सिंह पुत्र माधव का घर आपको बताते चलें कि पिछले बिगत दिनों लगातार भारी बारिश के चलते धराशायी हो गया गरीब का आशियाना आपको बता दें जब इस घटना सूचना पाकर मौके पर पहुँचे ग्राम प्रधान नटनागर यादव व क्षेत्र पंचायत सदस्य मंजीत सिंह चौहान तो उन्होंने हर सम्भव मदद देने कि बात कही फिर जब इसकी सूचना क्षेत्रीय लेखपाल रामलखन यादव को दी गयी तो उन्होंने बताया कि मेरी ड्यूटी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों लगी होने कारण मैं मौके पर पहुंचने में असमर्थ हूँ बाकी आवश्यक दस्तावेज फोन के माध्यम से भेज दीजिए जिसके बाद सरकार द्वारा सम्भव मदद व सहयोग किया जाएगा

हनुमान मंदिर में रामचरितमानस पाठ एवं विशाल भंडारे का आयोजन हुआ

अमर ख्याल सोनी कुमारी

महराजगंज (रायबरेली) विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हनुमान मंदिर पर रामचरितमानस का पाठ एवं विशाल भंडारे का हुआ आयोजन । क्षेत्र के पूरे अब्दुल नबी मजरे पहरेमऊ हनुमान मंदिर पर ग्रामीणों द्वारा रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया गया जिसको सुनने के लिए क्षेत्र के सैकड़ों लोग इकट्ठा हुए रामचरित मानस की चौपाइयों को सुनकर भक्त भावविभोर उठे रामचरितमानस पाठ के बाद हवन पूजन का कार्यक्रम विधि विधान से ग्रामीणों द्वारा किया गया तत्पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर बजरंगबली से सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा । इस मौके पर शोभनाथ सिंह राम कुबेर सिंह ईश्वर दिन यादव ग्राम प्रधान प्रतिनिधि किशोर यादव लाल बहादुर प्रजापति रामनरेश रामअचल राम आसरे शिव भोला बबलू बृजेश वीरेंद्र राघवेंद्र शर्मा उर्फ ऊदल कन्हैया सानू सिंह एस के शर्मा भोलागिरी सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे

सीएससी विशुनपुरा पर आयोजित टीवी कार्यक्रम में भाजपा के लोगो ने लिया टीवी मरीजो को गोद

दिलीप कुमार भारती

कुशीनगर टीवी मुक्त भारत अभियान के तहत रोगियों को गोद लेकर उनका बेहतर उपचार कराने व पौष्टिक आहार देने के क्रम में विकास खंड बिशनपुरा के सीएससी परिसर में टीबी यूनिट के पर्यवेक्षको की ओर से आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मी और भाजपा के वरिष्ठ नेताओ ने टीवी मरीजो को गोद लिया गोद लिए टीवी मरीजों को प्रोटीन युक्त थैला जिसमें एक थैले में चना, मूंगफली का दाना ,मिक्स दाल, मक्खन लावा, किसमिस,आदि था,प्रदान किया गया ।उक्त कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष महेश रौनियार ने कहा कि 2025 तक टीवी मुक्त अभियान जनभागीदारी से ही सफल होगा ।मंडल अध्यक्ष विशुनपुरा राधेश्याम गुप्ता ने कहा कि गोद लिए टीवी रोगियों का जब तक इलाज चलेगा वे उन्हें पोस्टिक आहार उपलब्ध कराते रहेंगे ।बिशनपुरा के लोकप्रिय ब्लॉक प्रमुख विंध्यवासिनी श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में कहा कि उपचार के साथ प्रोटीन युक्त पोस्टिक आहार जरूरी है। वरिष्ठ भाजपा नेता ओम प्रकाश गुप्ता ,नरेंद्र तिवारी, भाजपा मंडल संयोजक पिपरा धनंजय तिवारी , जिला पंचायत प्रतिनिधि वरुण राय, पूर्व मंडल अध्यक्ष कपिल देव लाल श्रीवास्तव ,श्रीकांत जयसवाल ,धनंजय तिवारी द्वितीय ,शजमालुद्दीन अंसारी ,अजय कुमार, गोलू बाबा, बिशनपुरा सीएससी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ जीशान अलीम, डॉक्टर अवधेश कुशवाहा,चीफ फार्मासिस्ट अनिरुद्ध सिंह,फार्मासिस्ट आनंद तिवारी, एलटी पूनम सत्यर्थी, एलटी संतोष गौतम ,एनएमएस ओमप्रकाश ,मौर्य बीपीएम दीपक चौधरी, सीएचओ कुसुमलता देवी, सर्वेश यादव आदि ने टीवी के मरीज सीमा, बैजनाथ ,भगवान ,रामविलास ,कलाम ,शैलेश, अभय, रामकृपाल ,करण को गोद लिया ।उक्त कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर जीशान अलीम ने किया जिससे भाजपा कार्यकर्ता सहित तमाम जन समूह उपस्थित रहा

स्काउट गाइड कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर मे बाढ़ से बचाव के बताए गए तरीके

बच्चों ने प्राथमिक सहायता, बिना बर्तन के भोजन बनाना,टेंट लगाना, आदि कार्यो को सीखा

संवाददाता

जरवल (बहराइच) भारत स्काउट और गाइड जनपद बहराइच के तत्वाधान में चल रहे कार्यक्रम के अंतर्गत जरवल कस्बा के कटरा के मदरसा अखतरून निशा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में प्रवेश प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि लोकतंत्र सेनानी प्रमोद कुमार गुप्ता विशिष्ट अतिथि मोहम्मद अम्मार अंसारी प्रधानाचार्य जय जवान जय किसान इंटर कॉलेज,व तरन्नुम फातिमा प्रधानाचार्य फातिमा गर्ल्स इंटर कॉलेज रहे। शिविर का संचालन वा कार्य कार्यक्रम का संचालन कर रहे। कल्लन इदरीसी जिला संगठन कमिश्नर स्काउट जनपद बहराइच ने बच्चो को प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को स्काउट गाइड नियम, झंडा गीत, प्रार्थना, गांठ बंधन, प्राथमिक सहायता, टेंट लगाना, बिना बर्तन भोजन बनाना, आदि के बारे में बच्चों को विस्तार रूप से जानकारी दी।इस मौके पर मुख्य अतिथि महोदय ने कहा स्काउटिंग जीवन जीने की एक कला है जिसे बच्चों को अपने जीवन में उतारना चाहिए आखिर में प्रधानाचार्य जफर इदरीस मदरसा अख्तरून निशा मेमोरियल इस्लामिक निस्वां स्कूल ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक सैयद अकरम साइद, नफीस अहमद, अता उल्ला सहित स्कूल के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

जिम्मेदार अधिकारी बैठे मौन हो रही लगातार बार-बार घटनाएं

अमर ख्याल , टिंकू कश्यप सीतापुर । विकासखंड रामपुर मथुरा क्षेत्र के अंतर्गत पड़ने वाले ग्राम सभा चांदपुर बाजार में इस समय सड़क की दुर्दशा इस तरह से हो गई है कि आए दिन कोई न कोई घटना होती रहती है और किसी ना किसी को चोट लगती रहती है सोचने वाली यह बात है कि कई सालों से इस गांव के ना तो नालियों की सफाई हुई है और ना तो नालियों की मरम्मत हुई है जिसकी वजह से गांव का सारा पानी पीडब्ल्यूडी की सड़क पर आकर बहता है जिस कारण सड़कों की पूरी गिट्टी खुद कर गड्ढे बन जाते हैं जिसकी वजह से ही इस तरह की घटनाएं होती हैं और लोग चोटिल होते हैं। आपको बताते चलें कि यह मार्ग महमूदाबाद से होते हुए सीधे विकासखंड रामपुर मथुरा को जोड़ता है जिसकी वजह से ब्लॉक के अधिकारी से लेकर तहसील के अधिकारी से लेकर जिले के अधिकारी इस सड़क से निकलते हैं फिर भी इस तरह की घटनाओं पर किसी की नजर नहीं जाती है और आए दिन होती रहती हैं घटनाएं।

बाढ़ में बहकर आए हिरण कि चार दिन बाद मृत्यु

संवाददाता

तुलसीपुर (बलरामपुर)। सुहेलवा वन्यजीव प्रभाग रेंज तुलसीपुर कार्यालय जनकपुर में आज सुबह 10:00 बजे राजेश सिंह निवासी ग्राम बिजुलिया के द्वारा गांव में बह रहे बाढ़ का पानी कम होने के बाद सूचना दी गई कि चार दिन पहले एक हिरण बाढ़ के तेज बहाव में बिजुलिया गांव में बह कर आ गया था। जिसे हमारे द्वारा गांव में ही सुरक्षित रखा गया था। लेकिन किसी कारणवश हिरण मृत हो गया है। प्रभारी उप प्रभागीय/क्षेत्रीय वनधिकारी अमरजीत प्रसाद ने बताया कि राजेश सिंह की सूचना पर जंगल विभाग की टीम तुलसीपुर यूनिट बिपुल मिश्रा, वन दरोगा भरत प्रसाद, तरंग तिवारी, शशिकांत शुक्ला, वन रक्षक राजेश कुमार पाठक,अमित कुमार सारस्वत, कार्यालय लिपिक मनीष श्रीवास्तव आदि ने बाढ़ प्रभावित गांव बिजुलिया में डेढ़ किलोमीटर मार्ग पर पानी के बहाव में पैदल जाकर बिजुलिया गांव में मृत हिरण का पंचनामा करवाने के बाद हिरण को उठा कर लाया गया। फिर गाड़ी में रख कर रेंज कार्यालय जनकपुर लाया गया। जहां उसका अंतिम संस्कार रेंज कार्यालय परिसर में लाल कपड़े में ढककर तथा नमक डालकर मिट्टी के नीचे किया गया।

पीलीभीत उच्चाधिकारियों के संरक्षण में किया जा रहा है कीमती लकड़ी का अबैध कटान

सागौन के 45 पेड़ों को रोग ग्रस्त दिखा कर दो सौ पेड़ों का किया गया सफाया

अमर ख्याल

पीलीभीत। न्यूरिया क्षेत्र के टांडा विजैसी गाव का मामला।क्षेत्र में आये दिन होते रहते हैं अबैध कटान लकड़ी माफिया बिभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से धड़ल्ले से कर रहे हैं बिना परमीशन के अबैध कटान विभागीय अधिकारियों के संरक्षण के बाद ही आम,शीशम और सागौन के पेड़ों पर चलाया जा रहा है खूब आरा सामाजिक बानिकी पीलीभीत से 45 पेड़ों को रोग ग्रस्त दिखा कर ली गई थी अनुमति । 45 पेड़ों की आड़ में 200 से अधिक पेड़ काट डाले गये।न्यूरिया और मझोला के बीच टांडा बिजैसी का है पूरा मामला क्षेत्र के रेंजर को इतने बड़े स्तर पर हुए अबैध कटान की खबर ही नही हुई या फिर सब कुछ जानकर भी अनजान बने बैठे रहे जिम्मेदार अधिकारी और निचले स्तर के अधिकारियों ने इतने बड़े कार्य को अंजाम दे दिया।क्षेत्र के रेंजर से जब इस बारे मे जानकारी ली गई तब वह टाल मटोल करते दिखे और जांच कराने की बात कही।लकड़ी माफिया वन विभाग पर इतने हावी हो गये हैं।वन बिभाग को जानकारी ही नही हुई और इतने पेड़ों को काट डाला गया।

40 लाख रुपये मूल्य के चरस के साथ साथ रूपईडीहा पुलिस तथा एस एस बी ने एक को किया गिरफ्तार

अमर ख्याल

बहराइच रूपईडी कोतवाल श्री श्रीधर पाठक के नेतृत्व में 17 अक्टूबर को एस आई अजेश कुमार मय हमराही पुलिस बल व एसएसबीकी के साथ गस्त पर थे कि बाबागंज रेलवे क्रासिंग के पास से अभियुक्त राजीव कुमार वर्मा पुत्र मोल्हे राम वर्मा निवासी गुरलिया कल्यानपुर थाना रुपईडीहा जनपद बहराइच की तलाशी ली जिसके पास से 1 किलो 200 ग्राम चरस बरामद हुआ। रूपईडीहा थाने पर मुकदमा अपराध स0 394/2022 धारा 8/20 एन0डी0पी0एस0 एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्त को जेल भेजा

रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में किया गया अपराध गोष्ठी का आयोजन

अमर ख्याल। राहुल कुमार

रामपुर। मंगलवार को एसपी रामपुर अशोक कुमार शुक्ला द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में अपर पुलिस अधीक्षक रामपुर डा0 संसार सिंह, समस्त क्षेत्राधिकारियों, थाना प्रभारियों के साथ अपराध गोष्ठी की गयी जिसमें सभी को निर्देशित किया गया कि आगामी त्यौहारों के मद्देनजर क्षेत्र में भ्रमणशील रहें। त्यौहारों के दौरान बाजार में भीड-भाड अधिक बढ जाती है जिसमें पहले से ही पुलिस डयूटियॉ लगा ले। थाना क्षेत्र में होनी वाली हर गतिविधि पर नजर रखें। उच्चाधिकारीगण या थाना स्तर पर प्राप्त होते वाले प्रार्थना पत्रों पर संज्ञान लेते हुए। उनका तत्काल गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। थानों पर लम्बित विवेचनाओं का गुणवत्ता व सत्यता के आधार पर जल्द निस्तारण करायें।असामाजिक तत्वों पर सर्तक दृष्टि रखने आदि के सम्बंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

अभियान चला कर मुक्त कराये गये बाल श्रमिक

अमर ख्याल

गोंडा। श्रमायुक्त उत्तर प्रदेश के आदेश तथा जिलाधिकारी के निदेर्शों के क्रम में बालश्रम निरोधक अभियान श्रम विभाग ,चाइल्ड लाइन, ए एच टी यू यूनिट की संयुक्त टीम द्वारा चलाया गया जिसके अंतर्गत सहिबापुर, दजीकुर्आ, चौक बाजार आदि स्थानों पर छापे मार कर कुल 4 बालक श्रमिकों को कार्य से मुक्त कराया गया 3 किशोरों से काम लेने वाले सेवायोजकों के विरूद्ध निरीक्षण टिप्पणी जारी कर आवश्यक कार्यवाही की गई। 14 वर्ष से कम उम्र के अवमुक्त कराए गए बच्चों का कोविड टेस्ट, आयु व चिकित्सकीय परीक्षण कराकर बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। खतरनाक प्रक्रिया के अंतर्गत दोषी पाए जाने वाले सेवायोजकों के विरूद्ध दो वर्ष तक की सजा या 50000/ रूपए तक का जुमार्ना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है, तथा गैर खतरनाक प्रक्रिया के अंतर्गत दोषी पाए जाने पर सेवायोजक को एक माह तक की सजा या 10000/ रूपए तक जुमार्ना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है। यदि कोई माता पिता भी अपने बच्चों को व्यवसायिक कार्य में संलग्न करेगा तो उनके विरूद्ध भी दंडात्मक कार्यवाही अपनाई जायेगी। सभी जनपद वासियों से अनुरोध है कि 18 वर्ष से कम उम्र के बालकों वा किशोरों से काम न लें उन्हें स्कूल जानें में उनकी मदद करें तथा एक बेहतर समाज के निर्माण में अपना योगदान दें। रेस्क्यू अभियान में श्री योगेश दीक्षित श्रम प्रवर्तन अधिकारी गोंडा, नया सवेरा योजना से टी आर पी चंद्रेश यादव,चाइल्ड लाइन से कोआर्डिनेटर आशीष मिश्रा टीम सदस्य विश्वनाथ तिवारी एएच टीयू से प्रभार निरीक्षक अरिविंद कुमार उपनिरीक्षक राम किशोर प्रसाद हेका गौचरन का रामजीत यादव नीलम व विशेष किशोर इकाई से बबिता सिंह व सरिता श्रम विभाग से अहमद व अनूप यादव आदि मौजूद रहे

जिला कारागार में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

अमर ख्याल

गोंडा। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ व माननीय जनपद न्यायाधीश श्री रविन्द्र कुमार-। के निदेर्शानुसार जिला कारागार गोण्डा में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन श्री विश्व जीत सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोण्डा की अध्यक्षता में किया गया विधिक साक्षरता शिविर में सचिव द्वारा ह्यविचाराधीन बन्दियों के शिकायतों के निराकरणह्य के बावत जानकारी देते हुए बताया गया कि जेल में निरूद्ध विचाराधीन बन्दियों के अधिकारों की बात प्रत्येक स्तर पर होती रही है। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों ने अपने कई निर्णयों में सजायफ्ता और विचाराधीन कैदियों के अधिकारों के बारे में उल्लेख किया है। विचाराधीन कैदी या फिर सजायाफ्ता कैदी के अधिकार जेल में भी बने रहते हैं और कानून के हिसाब से ही उनके अधिकारों पर अंकुश लगाया जा सकता है। आपराधिक विधि के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति को तब तक दोषी नही माना जा सकता, जब तक कि न्यायालय आरोपी को दोषी नही मानता। जब भी किसी व्यक्ति के विरूद्ध कोई आरोप लगाया जाता है तो वह मात्र आरोपी होता है। ऐसे में उसे यह संवैधानिक अधिकार है कि उसे अपने बचाव का मौका मिले। इस सन्दर्भ में संविधान के अनुच्छेद-22 में मूल अधिकार है कि प्रत्येक आरोपी को बचाव का मौका दिया जाए। इसके तहत अदालत का कर्तव्य है कि जब भी कोई आरोपी अदालत में पेश हो तो वह उससे पूछे कि क्या उसे वकील चाहिए वकील न होने पर अदालत आरोपी को सरकारी खर्चे से वकील मुहैया कराती है। विधिक साक्षरता शिविर में सचिव द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता के सन्दर्भ में सांविधानिक उपबन्ध, दण्ड प्रक्रिया संहिता में वर्णित उपबन्ध व माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये अद्यतन निर्णयों पर भी विस्तृत रूप से जानकारी दिया गया इस अवसर पर जिला कारागार के जेलर शिव प्रताप मिश्र, डिप्टी जेलर हरी प्रसाद मिश्र, शैलेन्द्र त्रिपाठी सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे

नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी चार दिन बाद भी नहीं हुए गिरफ्तार

अमर ख़्याल। राहुल कुमार

रामपुर। पटवाई/ शनिवार को दवाई लेने आई किशोरी को पटवाई थाना क्षेत्र के दूसरे गांव के युवक एक गांव की युवती पटवाई सरकारी अस्पताल में दवाई लेने आई थी कि इसी थाना क्षेत्र के दूसरे गांव के युवक किशोरी को जबरदस्ती मोटरसाइकिल पर बैठा कर ले गए थे किशोरी के भाई ने मोटरसाइकिल रोकने की कोशिश की तो भाई को बुरी तरह पीट दिया था किशोरी को जबरदस्ती ग्राम अलीनगर थाना शहजादनगर जिला रामपुर क्षेत्र गन्ने के खेत में ले जाकर किशोरी के साथ में बुरी नीयत से गलत काम किया।और युवक रास्ते में ही किशोरी को छोड़कर चले गए थे। पिता ने अपनी बेटी को पटवाई थाने ले जाकर थाना क्षेत्र के मिश्रीनगर गांव के रहने वाले महिपाल पुत्र अंगनलाल व हरीश पुत्र केशव ग्राम मिश्रीनगर के दो युवकों के खिलाफ शिकायत पत्र दिया था पुलिस ने दो युवको के खिलाफ शनिवार को ही मुकदमा दर्ज कर लिया था लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद भी अभी नाबालिग किशोरी के साथ में दुष्कर्म करने वाले आरोपी पटवाई पुलिस की गिरफ्त से दूर है।

रोडवेज बस स्टॉप बस कंडक्टर की गुंडागर्दी सरकारी संपत्ति खुद की समझ बैठे

अमर ख्याल

बहराइच। रोडवेज बस स्टॉप पर सवारियों की काफी संख्या थी समय लगभग 4:30 पर लाकर बस को चालक ने लगाया कंडक्टर ने गेट पर खड़े होकर बहराइच से चारबाग की सवारी बैठने को बोला जब जनता रुकनापुर कैसरगंज जरवल कस्बा जरवल रोड की सवारी चढ़ने लगी तो गेट पर से कंडक्टर ने धक्का देकर सवारियों को धकेल दिया इस पर एक सवारी है पूछा कि आप इस तरह जनता व महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार क्यों कर रहे हो तो उससे भी तेज आवाज में डांटते हुए बाहर निकाल दिया कंडक्टर की तस्वीर साफ साफ नजर आ रहा कंडक्टर की बदतमीजी क्योंकि बस को जाना उसी रोड पर है क्यों नहीं बैठाओगे बताया प्रशासन द्वारा मना किया गया है प्रशासन से पूछने पर बताया गया ऐसा कुछ नहीं है सभी यात्री बैठे जाएं बहराइच बस स्टॉप कंडक्टर द्वारा इस तरह गुंडागर्दी चल रही है बस का नंबर यूपी 40 टी 3694 प्रशासन द्वारा क्या कंडक्टर को इतनी छूट दे दी गई है इन पर कार्यवाही होनी चाहिए

समय के साथ बढ़ी चाक की रफ्तार, आधुनिकता के दौर में सिमटता जा रहा कुम्हारों का व्यवसाय

मिट्टी के दिए बनाने वालों के घरों में आमदनी की रौशनी का इंतजार

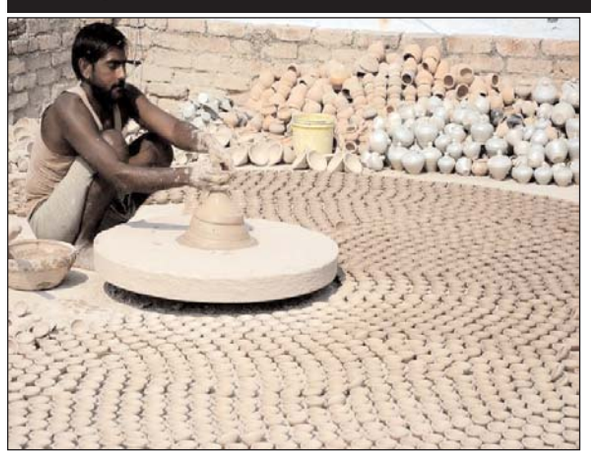

मनोज त्रिपाठी

लालापुर, प्रयागराज। दीपावली नजदीक आते ही कुम्हारों के चाक घूमने लगे हैं। बड़ी संख्या में मिट्टी के दीये बनाने का कार्य कुम्हारों ने शुरू कर दिया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से त्योहारों पर स्थानी य उत्पादों की खरीदारी किए जाने के आन से इस बार कुम्हारों में ज्यादा बिक्री होने की उम्मीद जगी है। चीनी सामानों का बहिष्कार भी इनकी खुशहाली में चार चांद लगाने के लिए तैयार है। दीपावली आगामी 24 अक्टूबर दिन सोमवार को मनाई जाएगी। इस अवसर पर दीपों से अपने घर-आंगन को सजाने की तैयारी लोगों ने शुरू कर दी है। बदलते ट्रेंड के साथ लोग डिजाइनर दीये भी खूब पसंद करने लगे हैं। वहीं चाइनीज दीयों से मोहभंग के चलते मिट्टी के दीयों की मांग बढ़ी है। भारतवर्ष में दीपावली को बड़े पर्व के रूप में मान्यता दी जाती है। दीपावली के समय कुम्हारों के चेहरे खिल जाते हैं क्योंकि दीया, कुल्लड़ और मिट्टी की घरिया और खेल-खिलौने बनाने का काम विश्वकर्मा पूजा से कुम्हारों के बीच शुरू हो जाता है। अबकी दीवाली कुम्हारों के लिए इसलिए खास लग रही है क्योंकि इस बार चीनी सामानों के विरोध के चलते फिर से बाजार में मिट्टी के दीये व खेल-खिलौनों की डिमांड बढ़ गई है। तहसील बारा क्षेत्र के कुम्हारों ने बताया कि सरकार द्वारा इलेक्ट्रानिक चाक दी गई है। इससे चक्का घुमाना नहीं पड़ता और कार्य भी जल्दी-जल्दी हो रहा है। विश्वकर्मा पूजा से अब तक हजारों की संख्या में दीपक बनाकर रख दिए हैं और पकाने की प्रक्रिया जल्द ही की जा रही है।

दीपक बनाने के लिए चाक ने पकड़ी रफ्तार

दीपावली पर धन लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए मिट्टी के दीपक बनाने वाले कुम्हारों के चाक ने रफ्तार पकड़ ली है। उन्हें इस बार अच्छी बिक्री की उम्मीद है। मिट्टी के दीपक, मटकी आदि बनाने के लिए माता-पिता के साथ उनके बच्चे भी हाथ बंटा रहे हैं। कोई मिट्टी गूंथने में लगा है तो किसी के हाथ चाक पर मिट्टी के बर्तनों को आकार दे रहे हैं

किस विद्यालय में खाने की जगह बच्चों को जहर देने की कही बात

अमर ख्याल , टिंकू कश्यप

सीतापुर। विकासखंड रामपुर मथुरा के प्राथमिक विद्यालय भिरवनपुर से दिल दहला देने वाली घटना निकल कर सामने आ रही है, एक ऐसी घटना जिसे आप भी सुनकर हैरान रहा जायेंगे आपको बता दें की प्राथमिक विद्यालय भिरवनपुर में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों का आरोप है कि विद्यालय में खाना बनाने वाली रसोई ने अपनी निजी दुश्मनी निकालने के लिए बच्चों को धमकी दे दी की हम खाने में जहर मिला देंगे और विद्यालय में पढ़ने वाले सभी के बच्चों को मार देंगे यह बात सुनकर अभिभावक और बच्चों में एक डर और दहशत बनी हुई है अभिभावकों का कहना है की यदि मेरे बच्चे स्कूल जाते हैं और किसी प्रकार की अनहोनी हो जाएगी तो इसका जिम्मेदार कौन होगा जहाँ एक और विद्यालय एक शिक्षा का मंदिर कहा जाता है वहीं पर विद्यालय में बनने वाले खाने की जगह जहर को बच्चों की थाली में परोशने की बात कही जाती हो तो आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कौन मां-बाप चाहेगा की अपने बच्चों को मौत के मुंह में भेजे लेकिन ऐसे में प्रश्न यह उठता है की आखिर क्यों यहाँ पर एसी स्थितियां बनी हुई है इस पर अभिभावक बता रहे हैं की प्रधानाध्यापक ने भी अपनी बात रखी अपना पक्ष रखा प्रार्थना पत्र भी दिया गया लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है अब देखना यह है की इस पर कोई जिम्मेदार ध्यान देता है या यूं ही इसी तरह की धमकियां मिलती रहेंगी और क्या बच्चे विद्यालय ना जाने के लिए मजबूर रहेंगे अभिभावकों का कहना है कि जब तक रसोई को नहीं हटाया जाएगा तब तक हमारे बच्चे विद्यालय नहीं जाएंगे।

पूर्व सैनिकों ने गृहकर माफ करने को लगाई गुहार

प्रयागराज। वीर सेनानी पूर्व सैनिक कल्याण समिति के सदस्यों ने गृहकर माफ करने के लिए मंगलवार को नगर निगम से मांग की। पूर्व सैनिकों के प्रतिनिधमंडल ने अपर नगर आयुक्त से मिलकर गृहकर माफी के लिए ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने वालों में श्याम सुंदर सिंह पटेल, ईश्वरचंद तिवारी, इंद्रजीत मिश्रा, अनिल कुमार, मुलायम सिंह यादव, एसपी मिश्रा, लल्लन मिश्रा, एसपी श्रीवास्तव, शिव, जयप्रकाश, एमएल सिंह, गुलाब सिंह, आरके सिंह, लखन, साकेत, जीएस पटेल ,तारकेश्वर प्रसाद आदि शामिल रहे।

पीसीएस 2021 : रिजल्ट तैयार, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को आदेश मिलने का इंतजार

सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) 2021 के अंतिम परिणाम का रास्ता हाईकोर्ट से साफ होने के बाद उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और प्रतियोगी छात्रों ने भी राहत की सांस ली है। चीफ जस्टिस की डबल बेंच ने पूर्व सैनिकों को आरक्षण न देने के कारण प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम निरस्त करने संबंधी सिंगल बेंच के आदेश को सही नहीं माना है। सूत्रों के अनुसार यूपीपीएससी के अधिकारियों ने 15 दिन पहले ही अंतिम परिणाम तैयार कर लिया था और अब कोर्ट के आदेश की प्रति मिलते ही एक या दो दिन में अंतिम परिणाम जारी कर दिया जाएगा। पीसीएस 2021 में एसडीएम, डिप्टी एसपी, बीडीओ, एआरटीओ समेत विभिन्न प्रकार के 623 पदों पर चयन के लिए 21 जुलाई से पांच अगस्त तक आयोजित साक्षात्कार में 1285 अभ्यर्थियों में से 1260 उपस्थित हुए थे। साक्षात्कार संपन्न होने से तीन दिन पहले दो अगस्त को सिंगल बेंच का प्रारंभिक परीक्षा निरस्त करने का आदेश आ गया था। जिसके बाद अभ्यर्थी दुविधा में पड़ गए थे। उसके अगले दिन तीन अगस्त को आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत ने स्वयं अभ्यर्थियों के बीच पहुंचकर ढांढस बंधाया था। उसी दिन अध्यक्ष ने साफ कर दिया था कि सिंगल बेंच के खिलाफ आयोग अपील करने जा रहा है। आयोग को पूरा भरोसा था कि जिस शासनादेश के आधार पर एकल बेंच ने परीक्षा निरस्त करने का आदेश दिया, उस पर डबल बेंच या सुप्रीम कोर्ट से आयोग को राहत अवश्य मिल जाएगी।

2021 प्री का परिणाम निरस्त करने का आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट से रद्द

इलाहाबाद हाईकोर्ट के दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने यूपी पीसीएस 2021 की प्रारंभिक परीक्षा के नतीजे निरस्त करने के मामले में एकल पीठ का आदेश निरस्त कर दिया है। एकल पीठ का आदेश रद्द होने के बाद अब आयोग के लिए अंतिम परिणाम जारी करने का रास्ता साफ हो गया है। यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिंदल एवं न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की खंडपीठ ने दिया है। आयोग के अधिवक्ता अवनीश त्रिपाठी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि खंडपीठ ने माना कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से जारी किया गया पीसीएस प्री 2021 का परिणाम पूरी तरह सही था और आयोग ने आरक्षण नियमों का पूरी तरह से पालन किया था। जूनियर वारंट ऑफिसर सतीश चंद्र शुक्ल व तीन अन्य की याचिका पर सुनवाई के बाद एकल पीठ ने पूर्व सैनिकों को निर्धारित पांच प्रतिशत आरक्षण नहीं दिए जाने के कारण प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम रद्द करते हुए पूर्व सैनिकों को आरक्षण का लाभ देते हुए संशोधित परिणाम जारी करने का आदेश दिया था। एकल पीठ का मानना था कि ग्रुप बी के पदों पर पूर्व सैनिकों को आरक्षण देने की अधिसूचना 10 मार्च 2021 को जारी हो गई थी। यह जारी होने की तिथि से ही लागू हो गई। पीसीएस का आवेदन करने के लिए 17 मार्च तक पोर्टल खुला था। यदि आयोग और सरकार की मंशा आरक्षण देने की होती तो इस अवधि में अभ्यर्थियों को आरक्षण का लाभ दिया जा सकता था लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

पीसीएस 2021 : रिजल्ट तैयार, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को आदेश मिलने का इंतजार

आयोग के अधिवक्ता की दलील थी की सिर्फ दो अभ्यर्थियों के लिए पूरा परिणाम रद्द कर दिया गया। पीसीएस प्री के आवेदन की अंतिम तिथि 10 मार्च 2021 थी। बाद में 17 मार्च तक पोर्टल सिर्फ उन अभ्यर्थियों के लिए खोला गया था, जिन्होंने अपने आवेदन में कोई गलती कर दी थी। उन्हें त्रुटि सुधारने का मौका दिया गया था। यह पोर्टल कोई नया आवेदन करने के लिए नहीं खोला गया था। याची के अधिवक्ता ने कहा की परिणाम पूरा रद्द नहीं हुआ है क्योंकि आयोग ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी साक्षात्कार लिया है। याची के अधिवक्ता का यह भी कहना था कि चयन प्रक्रिया मुख्य परीक्षा के तिथि से शुरू मानी जाएगी। मुख्य परीक्षा का आयोजन 23 मार्च 2022 से शुरू हुआ। महधिवक्ता अजय मिश्र ने कहा था कि सरकार आयोग की दलीलों का समर्थन करती है। सिर्फ दो अभ्यर्थियों के लिए पूरा परिणाम रद्द करना उचित नहीं है। दोनों पक्ष की ओर से अन्य कई तकनीकी मुद्दे उठाए गए थे, जिन पर सुनवाई के बाद गत छह सितंबर को खंडपीठ ने अपना आदेश सुरक्षित कर लिया था। गौरतलब है कि लोक सेवा आयोग पीसीएस-2021 के 623 पदों के लिए साक्षात्कार की प्रक्रिया गत पांच अगस्त को पूरी कर चुका है।

धर्मनिरपेक्ष जनतंत्र के अवसान की पूर्वकथा है 'आखिरी कलाम'

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में 'मुक्तिबोध साहित्यिक मंच' की ओर से आयोजित 'दूधनाथ सिंह स्मृति व्याख्यानमाला' के तहत मंगलवार को 'आखिरी कलामः बीस साल बाद' विषयक व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता आलोचक वीरेंद्र यादव ने कहा कि यह उपन्यास धर्मनिरपेक्ष आधुनिक भारतीय जनतंत्र के अवसान की पूर्वकथा है। बहुसंख्यक सांप्रदायिक उन्माद की राजनीति से अल्पसंख्यक समुदाय के भीतर व्याप्त भय और असुरक्षा को बहुत बारीकी से यह उपन्यास रेखांकित करता है। अध्यक्षता करते हुए विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. राजेंद्र कुमार ने कहा कि दूधनाथ सिंह की सर्वश्रेष्ठ कृति 'आखिरी कलाम' ही है। यह उपन्यास आज के समय को समझने के लिए जरूरी कृति है। प्रो. लालसा यादव ने वक्ता वीरेन्द्र यादव और डॉ. कुमार वीरेंद्र ने प्रो. राजेंद्र कुमार का गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया। स्वागत वक्तव्य प्रो. संतोष भदौरिया, संचालन डॉ. सूर्य नारायण व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जनार्दन ने किया। इस अवसर पर प्रो. शिव प्रसाद शुक्ल, डॉ. बसंत त्रिपाठी, डॉ. अमरेंद्र त्रिपाठी, डॉ. बृजेश कुमार पांडेय, डॉ. सुनील विक्रम सिंह, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. अमितेश कुमार, डॉ. विनम्र सेन सिंह, डॉ. सुजीत कुमार सिंह, डॉ. चितरंजन कुमार, डॉ. दीनानाथ मौर्य, डॉ. शिवकुमार यादव, डॉ. लक्ष्मण प्रसाद गुप्त, डॉ. वीरेन्द्र मीणा, नाटककार अनिल रंजन भौमिक, कथाकार अनिता गोपेश, जनवादी महिला समिति की नेता गायत्री गांगुली, कामरेड हरिश्चंद्र द्विवेदी, कवि विवेक निराला, डॉ. मुकेश कुमार यादव आदि उपस्थित थे।

हिंदी में एजुकेशन

हिंदी में चिकित्सा-पढ़ाई के दूरगामी परिणाम होंगे

हिन्दी में चिकित्सा की पढ़ाई के प्रयोग की प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी, क्योंकि चीन, जापान, जर्मनी, फ्रांस और रूस समेत कई देश अपनी भाषा में उच्च शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। अच्छा होता कि भारत में इसकी पहल स्वतंत्रता के बाद ही की जाती। देर से ही सही, चिकित्सा की हिंदी में पढ़ाई का शुभारंभ भारतीय भाषाओं को सम्मान प्रदान करने की दृष्टि से एक मील का पत्थर है। इस प्रयोग की सफलता के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए।

मातृभाषा में पढ़ाई की अत्यन्त आवश्यकता इसलिये है कि इससे स्व-गौरव एवं स्व-संस्कृति का भाव जागता है। जब नया भारत बन रहा है, सशक्त भारत बन रहा है, विकास के नये अध्याय लिखे जा रहे हैं तो स्व-भाषा को सम्मान दिया जाना चाहिए। कई देशों ने यह सिद्ध किया है कि मातृभाषा में उच्च शिक्षा प्रदान कर उन्नति की जा सकती है। मातृभाषा में शिक्षा इसलिए आवश्यक है, क्योंकि एक तो छात्रों को अंग्रेजी में दक्षता प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त ऊर्जा नहीं खपानी पड़ती और दूसरे वे पाठ्यसामग्री को कहीं सुगमता से आत्मसात करने में सक्षम होते हैं। इसी के साथ वे स्वयं को कहीं सरलता से अभिव्यक्त कर पाते हैं। इसकी भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि एक बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली छात्रों को भी चिकित्सा, इंजीनियरिंग एवं ऐसे ही अन्य विषयों की पढ़ाई में अंग्रेजी की बाधा का सामना करना पड़ता है। लेकिन चिकित्सा, इंजीनियरिंग आदि की पढ़ाई की सर्वव्यापी, सुविधाजनक, सहज एवं सरल बनाने के लिये आवश्यक है कि उसमें अंग्रेजी के प्रचलित शब्दों का प्रयोग करने में परहेज न किया जाए। क्योंकि साहित्य और मानविकी के विषयों को छोड़ दें तो बाकी जगह जिस तरह की हिंदी इस्तेमाल की जा रही है, उससे तो लोगों को अंग्रेजी ज्यादा सरल लगने लगती है।

बताया जा रहा है कि हिंदी में चिकित्साशास्त्र की किताबें तैयार करवाने के लिए काफी मेहनत की गई है। इसे मोदी सरकार की मातृ भाषा में शिक्षा देने सम्बन्धी नई शिक्षा नीति की रोशनी में भी देखा जा रहा है। मेडिकल की किताबें हिंदी में अनुवादित करने के लिए भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में 'मंदार' नामक वॉर रूम तैयार किया गया था। कई मेडिकल कॉलेजों के 97 एक्सपर्ट डॉक्टरों की टीम ने 5568 घंटे मंथन कर 3410 पेज की किताबें तैयार की हैं। ये किताबें एनाटॉमी (शरीर रचना शास्त्र), फिजियोलॉजी (शरीर क्रिया शास्त्र) तथा बायोकेमिस्ट्री (जीवरसायन शास्त्र) की हैं।

भारत को बेहतर ढंग से जानने के लिए दुनिया के करीब 115 शिक्षण संस्थानों में हिंदी का अध्ययन अध्यापन होता है। अमेरिका में 32 विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में हिंदी पढ़ाई जाती है। ब्रिटेन की लंदन यूनिवर्सिटी, कैंब्रिज और यॉर्क यूनिवर्सिटी में हिंदी पढ़ाई जाती है। जर्मनी के 15 शिक्षण संस्थानों ने हिंदी भाषा और साहित्य के अध्ययन को अपनाया है। कई संगठन हिंदी का प्रचार करते हैं। चीन में 1942 में हिंदी अध्ययन शुरू हुआ। 1957 में हिंदी रचनाओं का चीनी में अनुवाद कार्य आरंभ हुआ। एक अध्ययन के मुताबिक हिंदी सामग्री की खपत करीब 94 फीसद तक बढ़ी है। हर पांच में एक व्यक्ति हिंदी में इंटरनेट प्रयोग करता है। फेसबुक, ट्विटर और वाट्स एप में हिंदी में लिख सकते हैं। इसके लिए गूगल हिंदी इनपुट, लिपिक डॉट इन, जैसे अनेक सॉफ्टवेयर और स्मार्टफोन एप्लीकेशन मौजूद हैं। हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद भी संभव है। इन सब सकारात्मक स्थितियों को देखते हुए अगला प्रयास कानून, विज्ञान, वाणिज्य आदि विषयों की पढ़ाई हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में शुरू करने का होना चाहिए। जब अन्य अनेक देशों में ऐसा हो सकता है तो भारत में क्यों नहीं हो सकता? हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में उच्च शिक्षा की पढ़ाई में प्रारंभ में कुछ समस्याएं आ सकती हैं, लेकिन उनसे आसानी से पार पाया जा सकता है। इस क्रम में इस पर विशेष ध्यान देना होगा कि शिक्षा की गुणवत्ता से कोई समझौता न होने पाए।

भारत सुपर पावर बनने के अपने सपने को साकार कर सकता है। इस महान उद्देश्य को पाने की दिशा में विज्ञान, तकनीक और अकादमिक क्षेत्रों में नवाचार और अनुसंधान करने के अभियान को तीव्रता प्रदान करने के साथ मातृभाषाओं एवं हिन्दी में शिक्षण एवं राजकाज में उपयोग को प्राथमिकता देना होगा। हिन्दी एवं मातृभाषाओं के प्रति प्रतिबद्धता के साथ नए भारत के निर्माण का आधार प्रस्तुत करना होगा, इससे नव-सृजन और नवाचारों के जरिए समाज एवं राष्ट्र में नए प्रतिमान उभरेंगें। हिन्दी एवं मातृभाषाएं सम्पूर्ण देश में सांस्कृतिक और भावात्मक एकता स्थापित करने का प्रमुख साधन है। भारत का परिपक्व लोकतंत्र, प्राचीन सभ्यता, समृद्ध संस्कृति तथा अनूठा संविधान विश्व भर में एक उच्च स्थान रखता है, उसी तरह भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक हिन्दी एवं मातृभाषाओं को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

सच्चाई तो यह है कि देश में हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान अंग्रेजी को मिल रहा है। अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषाओं की सहायता जरूर ली जाए लेकिन तकनीकी एवं कानून की पढ़ाई के माध्यम के तौर पर अंग्रेजी को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। आज भी भारतीय न्यायालयों में अंग्रेजी में ही कामकाज होना राष्ट्रीयता को कमजोर कर रहा है। राष्ट्रीयता एवं राष्ट्रीय प्रतीकों की उपेक्षा एक ऐसा प्रदूषण है, एक ऐसा अंधेरा है जिससे ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। राष्ट्र-भाषा को लेकर छाए धुंध को मिटाने के लिये कुछ ऐसे ही ठोस कदम उठाने ही होंगे। हिन्दी विश्व की एक प्राचीन, समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ ही हमारी राजभाषा भी है, यह हमारे अस्तित्व एवं अस्मिता की भी प्रतीक है, यह हमारी राष्ट्रीयता एवं संस्कृति की भी प्रतीक है।

आमजन के लिए शिक्षा के साथ-साथ न्याय की भाषा कौन-सी हो, इसका सबक भारत और भारतीय न्यायालयों को अबू धाबी से लेने की जरूरत है। संयुक्त अरब अमारात याने दुबई और अबू धाबी ने गत दिनों ऐतिहासिक फैसला लेते हुए अरबी और अंग्रेजी के बाद हिंदी को अपनी अदालतों में तीसरी आधिकारिक भाषा के रूप में शामिल कर लिया है। इसका मकसद हिंदी भाषी लोगों को मुकदमे की प्रक्रिया, उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में सीखने में मदद करना है। न्याय तक पहुंच बढ़ाने के लिहाज से यह कदम उठाया गया है। अमीरात की जनसंख्या 90 लाख है। उसमें 26 लाख भारतीय हैं, भारत में हिन्दी बोलने एवं समझने वाले तो सत्तर करोड़ लोग होंगे, फिर क्यों नहीं शिक्षा एवं न्याय की भाषा हिन्दी होती?

-ललित गर्ग

पुरस्कार

श्रीलंकाई लेखक शेहान करुणातिलक ने 2022 का बुकर पुरस्कार जीता

श्रीलंकाई लेखक शेहान करुणातिलक को उनके दूसरे उपन्यास द सेवन मून्स ऑफ माली अल्मेडा के लिए 2022 के बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वर्ष 1992 में द इंग्लिश पेशेंट के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाले माइकल ओंडात्जे के बाद, करुणातिलक (47) साहित्यिक पुरस्कार के तौर पर 50,000 ग्रेट ब्रिटेन पाउंड (जीबीपी) की रकम जीतने वाले दूसरे श्रीलंकाई मूल के व्यक्ति बन गए। उन्हें सोमवार की रात लंदन में एक समारोह में पुरस्कृत किया गया। द सेवन मून्स ऑफ माली अल्मेडा एक फोटोग्राफर माली अल्मेडा की कहानी है, जो 1990 में अपनी मौत के बाद स्वर्ग के वीजा कार्यालय की तरह प्रतीत होने वाली एक जगह पहुंचता है। वह यह नहीं जानता कि उसे किसने मारा। माली के पास उन लोगों से संपर्क करने के लिए सात चाँद हैं जिन्हें वह सबसे ज्यादा प्यार करता है। इसी दौरान वहां उसके हाथ गृहयुद्ध के अत्याचारों की तस्वीरों का एक जखीरा लगता है जो सामने आ जाएं तो देश को झकझोर कर रख देंगी।

करुणातिलक ने कहा, मुझे आशा है कि वह दिन अब बहुत दूर नहीं रह गया है... श्रीलंका समझ गया है कि भ्रष्टाचार और जातिवाद तथा सांठगांठ के इन विचारों ने काम नहीं किया है और कभी भी काम नहीं करेंगे। बुकर पुरस्कार 2022 की जूरी के अध्यक्ष नील मैकग्रेगर ने कहा, जूरी ने द सेवन मून्स ऑफ माली अल्मेडा में जिस चीज की विशेष रूप से प्रशंसा की, वह था इसका, महत्वाकांक्षा का दायरा और इसके कथानक को पेश करने का तरीका।

स्वतंत्र प्रेस सॉर्ट ऑफ बुक्स द्वारा प्रकाशित द सेवन मून्स ऑफ माली अल्मेडा , गृहयुद्ध से घिरे श्रीलंका की जानलेवा तबाही के बीच इसकी जांच में मृत्यु के बाद के जीवन की पड़ताल करती है। श्रीलंका के गाले में 1975 में जन्मे और कोलंबो में पले-बढ़े करुणातिलक ने कहा कि श्रीलंका के लोग संकट के समय में भी हास-परिहास करने में माहिर होते हैं। उनका पहला उपन्यास 2011 में आया था जिसे राष्ट्रमंडल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। लंदन में राउंडहाउस में आयोजित पुरस्कार समारोह में करुणातिलक और इस साल के अन्य चयनित लेखक शामिल रहे। बुकर प्राइज फाउंडेशन के निदेशक गैबी वुड ने कहा, इस साल बुकर पुरस्कार के निर्णायकों ने शानदार टीम बनाई है। उन्होंने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में लिखे गए 170 उपन्यास पढ़े। कैमिला ने ब्रिटेन की महारानी का दर्जा मिलने के बाद अपने पहले सार्वजनिक कार्यक्रम के रूप में इस समारोह में हिस्सा लिया।

डीयू एडमिशन

स्नातक दाखिला: डीयू ने सीट आवंटन की पहली सूची की घोषणा बुधवार तक टाली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने सीट आवंटन की पहली सूची की घोषणा की तारीख को बुधवार तक के लिए टाल दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पहले यह सूची मंगलवार को जारी की जानी थी। चूंकि, उच्चतम न्यायालय बुधवार को डीयू के सेंट स्टीफंस कॉलेज द्वारा दाखिले के संबंध में दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ एक याचिका पर सुनवाई करेगा, तदनुसार सूची अब बुधवार को जारी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले उच्च न्यायालय ने कॉलेज को डीयू द्वारा तैयार की गई प्रवेश नीति का पालन करने को कहा था। इस नीति के मुताबिक, स्नातक पाठ्यक्रमों में गैर अल्पसंख्यक छात्रों को प्रवेश देने के लिए विश्वविद्यालय साझा प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के अंकों को 100 प्रतिशत भारांश देना होगा। कॉलेज ने अपनी ओर से कहा था कि वह सीयूईटी के अंकों को 85 प्रतिशत और सभी श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए साक्षात्कार को 15 प्रतिशत भारांश देगा। विश्वविद्यालय द्वारा जारी विस्तृत कार्यक्रम के अनुसार, पहली सीट आवंटन सूची की घोषणा 18 अक्टूबर को की जानी थी। एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा, विश्वविद्यालय अब 19 अक्टूबर, बुधवार को सूची जारी करेगा। दिल्ली विश्वविद्यालय ने पिछले महीने स्नातक पाठ्यक्रम में 70,000 से अधिक सीटों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की थी।

एजुकेशन लीडरशिप के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

आनंदराम जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस और फिक्की अराइज के अध्यक्ष शिशिर जयपुरिया ने एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग अवॉर्ड्स 2022-23 के तहत एजुकेशन लीडरशिप में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त करने का गौरव पाया है। शिशिर जयपुरिया एक महान शिक्षाविद् और विचारक हैं। यह विशिष्ट सम्मान मिलने की खुशी व्यक्त करते हुए शिशिर जयपुरिया ने कहा, इस उपलब्धि का श्रेय मैं सभी शिक्षकों को देता हूं जो 75 साल की इस यात्रा में हमारे साथ रहे हैं। सभी माता-पिता का भी आभार करता हूं जिन्होंने हम पर विश्वास किया है।

आईपी यूनिवर्सिटी के बीआर्क प्रोग्राम की ऑनलाइन स्पॉट राउंड काउन्सलिंग में 19 अक्टूबर तक आवेदन का अवसर

आईपी यूनिवर्सिटी ने अपने एक और नेशनल लेवेल टेस्ट्स आधारित प्रोग्राम में दाखिले के लिए ऑनलाइन स्पॉट राउंड काउन्सलिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह प्रोग्राम है- बीआर्क (कोड- 100)। यह प्रोग्राम यूनिवर्सिटी कैम्पस के अलावा अफ़िलीएटेड संस्थानों में भी उपलब्ध है। द्वारका कैम्पस का यूनिवर्सिटी स्कूल औफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग देश के चुनिंदा आर्किटेक्चर प्रशिक्षण संस्थानों में शुमार होता है। इसके अलावा पांच अन्य अफ़िलीएटेड कॉलेज में भी इसकी पढ़ाई होती है। कुल मिला कर 440 सीटें इस प्रोग्राम के लिए उपलब्ध हैं। नाटा 2022 या जेईई 2022 के सफल उम्मीदवार इस प्रोग्राम में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। चॉइस फ़िलिंग का विंडो 23 अक्तूबर से 25अक्तूबर तक खुला रहेगा। इस स्पॉट राउंड काउन्सलिंग का परिणाम 26 अक्तूबर को जारी किया जाएगा। विस्तृत जानकारी यूनिवर्सिटी की दोनों websites https://ipu.admissions.nic.in और https://ipu.ac.in पर उपलब्ध है।

स्कूली शिक्षा

नए स्कूलों की जीआईएस मैपिंग होगी

समग्र शिक्षा योजना के अनुपालन के लिए अद्यतन ढांचा तैयार

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने स्कूली शिक्षा तक सभी बच्चों की समान पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्यों को नए स्कूलों की स्थापना और वर्तमान विद्यालयों के उन्नयन कार्य में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित स्कूल मैपिंग करने का सुझाव दिया है। शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्रालय ने संशोधित समग्र शिक्षा योजना का राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा प्रभावी ढंग से अनुपालन करने के लिए योजना को लागू करने का अद्यतन ढांचा तैयार किया है। बच्चों की समान पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए योजना के अद्यतन अनुपालन ढांचे में सुझाव दिया गया है कि नए स्कूलों की स्थापना और वर्तमान विद्यालयों के उन्नयन कार्य में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित स्कूल मैपिंग की जाए। यह मैपिंग शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 में वर्णित मानदंडों पर आधारित होनी चाहिए। दस्तावेज में कहा गया है कि जीआईएस आधारित स्कूल मैपिंग करने का बुनियादी उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी बस्तियोंगांवों की स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों तक स्वीकार्य गुणवत्ता मानदंडों के तहत पहुंच हो तथा संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

नए स्कूल स्थापित करने एवं वर्तमान स्कूलों का उन्नयन करने के प्रस्तावों का समुदायिक भागीदारी आधारित स्कूल मैपिंग के जरिए पुष्टि करना जरूरी होगा। इसमें कहा गया है कि जीआईएस स्कूल मैपिंग से स्थान के बारे में सूचना आधारित योजना तैयार करने एवं स्कूलों के उन्नयन में मदद मिलेगी, साथ ही कई तरह के स्कूली शिक्षा से जुड़े आंकड़े एकत्र किए जा सकेंगे। इसमें ऐसी बस्तियों की संख्या एवं नामों का पता चलेगा जहां मानदंडों पर आधारित प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक स्कूल हैं। इसके अलावा असेवित बस्तियोंगांव में नए स्कूल के लिए स्थान संबंधी वैकल्पिक विकल्प का पता भी चल सकेगा। साथ ही स्कूल आधारभूत ढांचा में अंतर, स्कूलों में सुविधा एवं शिक्षकों की तैनाती के बारे में भी जानकारी मिलेगी।

मंत्रालय में संयुक्त सचिव विपिन कुमार ने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के शिक्षा सचिवों, राज्य शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषदों एवं अन्य विभागों को इस बारे में पिछले सप्ताह पत्र लिखकर उम्मीद जताई कि यह ढांचा समग्र शिक्षा योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने में उनका मार्गदर्शन करेगा। इस ढांचे में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सभी बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच, समावेशी कक्षा माहौल, बहुभाषी जरूरतों, विभिन्न अकादमिक क्षमताओं, पठन-पाठन प्रक्रियाओं आदि को लेकर विस्तृत दिशानिर्देश एवं उठाए जाने वाले कदम सुझाए गए हैं। दस्तावेज के अनुसार, समग्र शिक्षा योजना में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पहुंच, समानता, गुणवत्ता, वहनीयता और जवाबदेही सहित 86 सिफारिशों को शामिल किया गया है।

इस्तीफा

राज्यपाल की कुलाधिपति के तौर पर नियुक्ति के विरोध में गुजरात विद्यापीठ के नौ न्यासियों का इस्तीफा

गुजरात विद्यापीठ के न्यासी बोर्ड के नौ सदस्यों ने सोमवार को कहा कि उन्होंने राज्य के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महात्मा गांधी द्वारा 1920 में स्थापित विश्वविद्यालय का नया कुलाधिपति नियुक्त किए जाने के विरोध में इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इस नियुक्ति में अनुचित जल्दबाजी किए जाने और राजनीतिक दबाव होने का आरोप लगाया। बहरहाल, अहमदाबाद स्थित विश्वविद्यालय के निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय ने इस्तीफे स्वीकार नहीं करने का फैसला किया। एक संयुक्त बयान में, नौ न्यासियों ने सोमवार को कहा कि कुलाधिपति के तौर पर देवव्रत का चयन राजनीतिक दबाव के कारण और गांधी के मूल्यों, तरीकों और प्रथाओं की पूर्ण अवहेलना कर किया गया है। न्यासियों ने राज्यपाल देवव्रत से अपील की कि वे लोकतंत्र के मौलिक मूल्यों और विश्वविद्यालय के पारदर्शी स्वायत्त निर्णय लेने को बनाए रखने के लिए कुलाधिपति के रूप में कार्यभार ग्रहण करने से इनकार कर दें। देवव्रत ने गुजरात विद्यापीठ के 12वें कुलाधिपति का प्रभार संभालने पर 11 अक्टूबर को सहमति जताई थी। मानद विश्वविद्यालय गुजरात विद्यापीठ की नीति निर्माता इकाई ने इला भट्ट (89) के इस्तीफे के बाद चार अक्टूबर को 12वें कुलाधिपति के रूप में आचार्य देवव्रत के नाम का प्रस्ताव रखा था।

भट्ट ने अपनी आयु का हवाला देते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था। बहरहाल, अहमदाबाद स्थित विश्वविद्यालय के निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय ने इस्तीफे स्वीकार नहीं करने का फैसला किया। गुजरात विद्यापीठ के निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय ने एक बयान में कहा कि आठ न्यासियों (नौवां सदस्य आजीवन न्यासी है) के इस्तीफे को स्वीकार नहीं करने के लिए सोमवार को एक बैठक में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया था।

संस्थान ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, आजीवन न्यासी और नौ न्यासियों द्वारा जारी संयुक्त बयान के हस्ताक्षरकर्ताओं में से एक नरसिंहभाई हठीला ने भी इस्तीफे को स्वीकार नहीं करने के गवर्निंग काउंसिल के फैसले को मंजूरी दी ताकि संस्थान को लंबे समय तक उनका मार्गदर्शन मिलता रहे। एक पत्र में, नौ न्यासियों ने कहा कि देवव्रत का कुलाधिपति के रूप में चयन न तो सहज था और न ही न्यासी बोर्ड का सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय था। उन्होंने कहा, यह राजनीतिक दबाव में लिया गया निर्णय था। यह गांधी के मूल्यों, तरीकों और प्रथाओं की पूरी तरह से अवहेलना थी।

तकनीक

महिलाओं को गरीबी के चंगुल से निकालने में मददगार साबित हो रही साधारण प्रौद्योगिकी

संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान जैसे कई विद्वानों और वैश्विक नेताओं का तर्क है कि महिलाओं को सशक्त बनाना मानवता को बेहतर बनाने का सबसे प्रभावी तरीका है। कई महिलाओं के लिए सशक्तिकरण की शुरुआत पहचान से होती है ताकि सेवाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित हो सके और वे अपने अधिकारों का प्रयोग कर पाएं।

वैश्विक स्तर पर गरीबी से लड़ने के लिए एक औपचारिक पहचान और एक मोबाइल फोन, ये दो ऐसे हथियार हैं जो बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। पुरुषों की तुलना में गरीब महिलाओं की संख्या अधिक है, अधिक महिलाएं खाद्य असुरक्षा की जद में हैं और दुनिया के अधिकांश देशों में पुरुषों की तुलना में अधिक महिलाएं अवैतनिक पारिवारिक कार्य करती हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान जैसे कई विद्वानों और वैश्विक नेताओं का तर्क है कि महिलाओं को सशक्त बनाना मानवता को बेहतर बनाने का सबसे प्रभावी तरीका है। कई महिलाओं के लिए सशक्तिकरण की शुरुआत पहचान से होती है ताकि सेवाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित हो सके और वे अपने अधिकारों का प्रयोग कर पाएं।

वर्ष 2019 में, विश्व बैंक ने अनुमान लगाया था कि कम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में हर दो महिलाओं में से एक के पास राष्ट्रीय पहचान पत्र या ऐसा ही कोई अन्य दस्तोवज नहीं था। महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्राथमिक कदम के तहत विश्व बैंक ने महिलाओं के लिए डिजिटल पहचान प्रणाली विकसित करने के लिए 40 से अधिक देशों के साथ काम किया है। उदाहरण के लिए, पाकिस्तान में लाखों महिलाओं के पास अब एक कम्प्यूटरीकृत राष्ट्रीय पहचान पत्र (सीएनआईसी) है, जो उन्हें अपने पति या भाइयों के बजाय सरकारी सहायता कार्यक्रमों तक पहुंच सुनिश्चित करने में मददगार है। एक औपचारिक पहचान के जरिए महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए मौजूदा तथा उभरती प्रौद्योगिकियां आसानी से उपलब्ध हो पाती हैं।

मोबाइल फोन सभी जगह उपलब्ध हैं और वे आर्थिक तौर से सहायक प्रौद्योगिकियों तक लोगों की पहुंच सुनिश्चित कर सकते हैं। 2020 में उप-सहारा अफ्रीका में 45.6 करोड़ ग्राहकों में से 23.9 करोड़ उपयोगकर्ताओं के पास मोबाइल इंटरनेट उपलब्ध है जबकि 18 करोड़ लोगों के पास स्मार्टफोन है। व्यापक रूप से मोबाइल फोन की उपलब्धता ने केन्या में सफारीकॉम के एम-पेसा और एम-केशो जैसी मोबाइल वित्तीय सेवाओं के साथ-साथ चीन में ऐंट वित्तीय सेवाओं को विकसित करने के लिए कंपनियों को आकर्षित किया।

ये सेवाएं न केवल सुरक्षित और सुविधाजनक हैं, बल्कि ए ऐसी महिलाओं को बचत और ऋण जैसी वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्राप्त करने में भी सक्षम बनाती हैं, जिनके पास बैंक खाता नहीं है। वित्तीय सेवाओं तक पहुंच के अलावा मोबाइल ऐप गरीब महिलाओं को नौकरी खोजने में भी मदद कर सकते हैं।

प्रियंका चोपड़ा
जोनस का केन्या दौरा

अभिनेत्री एवं निर्माता प्रियंका चोपड़ा जोनस ने केन्या यात्रा के दौरान दुनियाभर के लोगों से खाद्य संकट का सामना कर रहे देश की मदद के लिए यूनिसेफ के प्रयासों का समर्थन करने की अपील की है। यूनीसेफ (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) की सद्भावना दूत प्रियंका ने सोमवार रात सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि इस अफ्रीकी देश के बच्चे ''भूख के कारण मर रहे हैं'' और इस विकट स्थिति से निपटने के लिए कोष की जरूरत है। प्रियंका ने कहा, '' बच्चे भूख से मर रहे हैं और लाखों लोग भुखमरी की कगार पर हैं। यह जलवायु संकट का प्रकोप है जो केन्या में हो रहा है, लेकिन उम्मीद अब भी कायम है और इसका समाधान भी है।'' अभिनेत्री ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, '' आने वाले कुछ दिनों में यूनीसेफ द्वारा लोगों की जान बचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को दिखाऊंगी, लेकिन इस अभूतपूर्व संकट से निपटने के लिए धन की सख्त जरूरत है ताकि ये नेक काम जारी रहें।'' प्रियंका ने कहा कि मां बनने के बाद इस विकट स्थिति का उनपर एक अलग ही असर हुआ है। प्रियंका और उनके गायक पति निक जोनस की एक बेटी है, जिसका जन्म इस साल जनवरी में हुआ था। अभिनेतत्री ने वीडियो में कहा, '' मुझे आज बेचैनी हो रही है। मेरा दिमाग एक समय में हजारों जगह घूम रहा है, मुझे काफी परेशानी हो रही है। लॉस एंजिलिस से उड़ान भरने के बाद से ही मेरी यह हालत है।'' उन्होंने कहा, '' मैं यूनीसेफ के दल के साथ केन्या में हूं ताकि जमीनी स्तर पर संकट से रूबरू हो पाऊं। मुझे पता है कि यह मुश्किल होने वाला है लेकिन फिर भी मैं आपको इस यात्रा पर साथ रखना चाहती हूं।'' यूनीसेफ की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, दुनियाभर में खाद्य कीमतों में वृद्धि हुई है और यूक्रेन में युद्ध के कारण यह स्थिति बदतर हो गई है। लगातार तीन साल से बारिश के मौसम के उम्मीद मुताबिक न रहने के कारण जिबूती, इथियोपिया, केन्या और सोमालिया के लोग भोजन और पानी की तलाश में सब कुछ पीछे छोड़ने के लिए मजबूर हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के अनुसार, '' परिवार खाद्य आपूर्ति की बढ़ती कीमतों के साथ गुजर बसर नहीं कर पा रहे हैं, उनके मवेशी मर रहे हैं और आमदनी सीमित होती जा रही है। उनकी पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है। लाखों बच्चे गंभीर कुपोषण का शिकार हो गए हैं, यह हमारी पीढ़ी का सबसे भयानक खाद्य संकट है।

महेश बाबू
के साथ रोमांस करेंगी
दीपिका

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण को साउथ के एक और सुपरस्टार के साथ काम करने का मौका मिल गया है। तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार प्रभास के साथ एक फिल्म साइन करने के बाद दीपिका को एसएस राजामौली की नई फिल्म के लिए अप्रोच किया गया हैं। खबरे आ रही हैं कि राजामौली की अगली फिल्म तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू है और दीपिका पादुकोण महेश बाबू के अपोजिट नजर आएंगी। हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। राजामौली की संभावित रूप से 'SSMB29' शीर्षक वाली यह फिल्म एक एडवेंचर ड्रामा है और 2023 की पहली छमाही तक इसके फ्लोर पर जाने की संभावना है। अगर यह सच होता है, तो यह पहली बार होगा जब दीपिका और महेश एक साथ काम करेंगे। एक दिलचस्प जोड़ी की तरह लगता है। के प्रशंसक फिल्म निर्माताओं के इस बारे में आधिकारिक घोषणा करने का इंतजार करते हैं। बात करें प्रोजेक्ट के की तो प्रभास, अमिताभ बच्चन और सुनील शेट्टी अभिनीत इस फिल्म की शूटिंगमें कोविड -19 महामारी के कारण एक साल की देरी हुई। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित इस प्रोजेक्ट के बारे में और जानने के लिए फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले, यह बताया गया था कि फिल्म जिसे एक विज्ञान-फाई थ्रिलर के रूप में बिल किया गया है, इसके निर्माण में विभिन्न प्रकार की तकनीक का उपयोग किया जाएगा। मेकर्स की नजर दो रिलीज डेट पर है। निर्माता अश्विनी दत्त के अनुसार जो संभावित तिथियां सामने आई हैं, वे अक्टूबर 2023 और जनवरी 2024 में हैं।

कंगना
ने दिखाया बोल्ड अंदाज

कंगना रनौत जब भी कोई सोशल मीडिया पोस्ट करती हैं तो सुर्खियां जरूर बनती हैं। वह अपनी चॉइसेस को लेकर एकदम क्लियर हैं। कंगना मानती हैं कि हर महिला को यह अधिकार है कि वह क्या पहने। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी पुरानी तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज में वह ट्रांसपेरेंट ब्रालेट पहने हैं और ब्रालेस हैं। फोटो के साथ उन्होंने दमदार कैप्शन लिखा है कि किसी को मतलब नहीं होना चाहिए कि क्या पहना और क्या नहीं। कंगना रनौत फिल्म इमरजेंसी की शूटिंग कर रही हैं। इस बीच उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी पुरानी फोटोज शेयर की हैं। पहली फोटो में वह रजनीश घई के साथ हैं। उनको बर्थडे विश किया है। बाकी तस्वीरें सिंगल हैं। फोटोज धाकड़ की पार्टी के वक्त की हैं। इनमें वह वाइट नेट का टॉप पहने हैं। यह ट्रांसपेरेंट ब्रालेट जैसा ही है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, इस फैक्ट पर जोर देना चाहती हूं कि एक महिला क्या पहनती है और क्या पहनना भूल जाती है, यह पूरी तरह से उसका मामला है... न कि आपका। साथ में लाफिंग इमोजी भी है। एक और फोटो के साथ उन्होंने लिखा है, मुझे लगता है कि मैंने अपनी बात रख दी। अब मैं ऑफिस जा सकती हूं, बाय। बता दें कि फिल्म रजनीश धाकड़ में कंगना के डायरेक्टर थे। इससे पहले जब कंगना ने ये तस्वीरें शेयर की थीं तो कई लोगों ने इन्हें बोल्ड बताकर नेगेटिव कमेंट किए थे। उस वक्त कंगना ने एक पोस्ट के जरिए ट्रोल्स को जवाब दिया था। इस बार नेगेटिव कमेंट्स आने से पहले ही उन्होंने अपना पॉइंट रख दिया।

जंगल
में करेगा कांड, डॉ. कृति करेंगी उसका इलाज

वरुण धवन और कृति सैनन की अपकमिंग फिल्म 'भेड़िया' को लेकर सिनेप्रेमी खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं। फिल्म के पहले रिलीज हुए टीजर वीडियो में भेड़िए के खौफ से दर्शकों का परिचय हो चुका है। इसके बाद से ही दर्शकों को फिल्म के ट्रेलर और रिलीज का इंतजार है। फिलहाल टीजर रिलीज से पहले मेकर्स ने इस फिल्म में वरुण धवन के लुक के बाद अब कृति सैनन के लिए लुक को भी आउट कर दिया है। फिल्म भेड़िया में कृति सैनन वरुण धवन के साथ लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म में कृति का फर्स्ट लुक आउट हो गया है। कृति के इस लुक को ट्विटर पर यूजर्स की खूब तारीफें मिल रही है। यूजर्स कृति के लुक्स की तुलना वर्ल्ड फेमस क्राइम सीरीज मनी हाईस्ट की टोक्यो किरदार से कर रहे हैं। शॉर्ट हेयर कट में कृति के लुक्स काफी अट्रैक्टिव हैं। वे पहले इस तरह के लुक्स में नहीं नजर आईं। कृति ने इस लुक को शेयर करते हुए खास कैप्शन भी लिखा है। कृति ने लिखा, 'मिलिए डॉक्टर अनिका से, भेड़िए की डॉक्टर, इंसान अपने रिस्क पर हमें मिलें।' इस कैप्शन से साफ है कि फिल्म की कहानी में भेड़िये बने वरुण धवन की कृति मदद करती नजर आएंगी। कृति का ये लुक कैसा लगा? इसे लेकर भी फैंस ने पोल चलाया है जिसकी रेटिंग में कृति के इस लुक को ज्यादातर लोगों ने थम्स अप किया है।

फोरेस्ट थ्रिल कंटेंट पर बेस्ड इस फिल्म को लेकर यूजर्स का कहना है कि ये फिल्म सुपरहिट होगी। खैर ये तो वक्त आने पर पता चली ही जाएगा फिलहाल फिल्म की कहानी पर भी सस्पेंस बना हुआ है। पहले जारी टीजर के मुताबिक इतना जरूर साफ है कि खूंखार भेड़िया इंसान की शक्ल में गहरे घने जंगल में खून का खेल खेलता नजर आएगा। वरुण धवन ने अपने फर्स्ट लुक पोस्टर को जारी कर ये लिखा भी था कि अब जंगल में होगा कांड। इसके अलावा टीजर को शेयर करते हुए वरुण ने ये भी लिखा था- बनेगा इंसान उसका नाश्ता।

फिल्म के जारी लुक्स को देखने के बाद फैंस कमेंट्स में ट्रेलर को लेकर खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं। जानकारी के लिए बता दें इस फिल्म का ट्रेलर कल यानी 19 अक्टूबर को रिलीज होने जा रहा है। इसके अलावा ये फिल्म 25 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्में वरुण और कृति के अलावा एक्टर दीपक डोबरियाल भी अहम किरदार में नजर आएंगे।

रिलीज हुआ 'ऊंचाई' का ट्रेलर

अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर और बोमन ईरानी की आगामी फिल्म 'ऊंचाई' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। सूरज बड़जात्या की अन्य फिल्मों की ही तरह यह भी एक पारिवारिक फिल्म है, जिसमें चार दोस्तों की जिंदगी की कहानी बताई गई, जो असंभव-सा दिखने वाला सपना पूरा करने की मजबूत कोशिश करते हैं। बता दें कि यह फिल्म इसी साल 11 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में परिणीति चोपड़ा, डैनी डेन्जोंगपा और नीना गुप्ता भी मुख्य किरदार निभाती नजर आएंगी।

फिल्म का ट्रेलर इमोशन, प्यार और इंस्पिरेशन से भरा हुआ है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि दोस्त के लिए अमिताभ बच्चन, बोमन ईरानी और अनुपम खेर उम्र के इस पड़ाव पर माउंट एवरेस्ट चढ़ने का सपना देखते हैं और बेस कैम्प के लिए रवाना हो जाते हैं। हालांकि, जो भी उनके इस सपने के बारे में सुनता है वह उन्हें वापस लौट जाने की सलाह देता है।

हालांकि, अमिताभ, बोमन और अनुपम किसी की नहीं सुनते हैं और ट्रेक के लिए निकल पड़ते हैं। इस दौरान उन्हें बारिश, बर्फ, उबड़-खाबड़ रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। हालांकि, वह हार नहीं मानते। लेकिन, ट्रेलर के अंत में सिर्फ अमिताभ बच्चन ही माउंट एवरेस्ट के बेस कैम्प तक पहुंचते नजर आते हैं, जिसे देख हर किसी के मन में एक ही सवाल उठता है। क्या ट्रेक के दौरान अनुपम खेर और बोमन ईरानी हार मान लेते हैं? बता दें कि ट्रेलर में तीन फीमेल लीड्स परिणीति, नीना और सारिका की भी झलक देखने को मिलती है। नीना गुप्ता ने बोमन ईरानी की पत्नी के किरदार में नजर आती हैं। वहीं, सारिका के किरदार के बारे में ज्यादा नहीं दिखाया गया है। ट्रेलर के अंत में बिग बी की आवाज में भूपेन का पसंदीदा गाना 'ये जीवन है' एक अलग एहसास देता है।

रणवीर सिंह
पर विवेक अग्निहोत्री का तंज?

बॉलीवुड में दिए जाने वाले अवॉर्ड को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। अक्षय कुमार से लेकर गोविंदा सहित अन्य कई एक्टर्स ने यह सार्वजनिक रूप से बताया है कि किस तरह पैसों के बदले अवॉर्ड दिए जाते हैं और सब कुछ पहले से तय होता है। अब 'द कश्मीर फाइल्स' के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने अवॉर्ड देने वालों को माफिया कहा है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि एक कलरफुल स्टार 10 से ज्यादा अवॉर्ड मैनेज कर चुका है। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिखा लेकिन यूजर्स उनके ट्वीट को पढ़कर रणवीर सिंह के नाम पर कयास लगा रहे हैं। विवेक लिखते हैं कि उस स्टार ने इस साल दो फिल्में दीं और दोनों डिजास्टर साबित हुईं। इसके बावजूद उसे अवॉर्ड मिल रहे हैं और बॉलीवुड इस पर चुप है। विवेक ने ट्वीट किया, 'मैं यह जानकर हैरान हूं कि कैसे बॉलीवुड अवॉर्ड्स माफिया काम करता है। जैसे उदाहरण के तौर पर, इस साल एक कलरफुल स्टार ने सभी 10 से ज्यादा अवॉर्ड्स मैनेज किए जबकि उसकी दोनों फिल्में डिजास्टर साबित हुई और दर्शकों ने खारिज कर दिया। यह दिखाता है कि अवॉर्ड माफिया कितने भ्रष्ट और बिके हुए हैं।

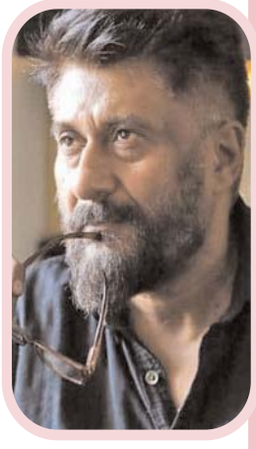

फुटबॉल

करीम बेनजेमा और एलेक्सिया पुतेलास ने बेलोन डिओर पुरस्कार जीते

पेरिस। रीयाल मैड्रिड के साथ पिछले सत्र में चैंपियन्स लीग और स्पेनिश लीग खिताब जीतने के दौरान शानदार प्रदर्शन करने वाले स्टार फुटबॉलर करीम बेनजेमा ने पहली बार पुरुष वर्ग का बेलोर डिओर खिताब जीता। स्पेन की एलेक्सिया पुतेलास ने बार्सीलोना की ओर से एक बार फिर बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सोमवार को लगातार दूसरे साल महिलाओं की ट्रॉफी जीती। पिछला सत्र मैड्रिड की ओर से बेनजेमा का सर्वश्रेष्ठ रहा। वह चैंपियन्स लीग और स्पेनिश लीग दोनों में शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने मैड्रिड के लिए 44 गोल दागे जिसमें से 15 गोल उन्होंने यूरोप की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता चैंपियन्स लीग में किए। उन्होंने क्लब की ओर से सबसे अधिक गोल दागने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद राल गोंजालेज की बराबरी की। टीम की ओर से सबसे अधिक गोल दागने का रिकॉर्ड दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम दर्ज है। चौंतीस साल के बेनजेमा पहली बार 1956 में दिए गए इस पुरस्कार को हासिल करने वाले स्टेनली मैथ्यूज के बाद सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। बेनजेमा ने कहा, मेरे लिए उम्र सिर्फ एक संख्या है। खिलाड़ी अब अधिक समय तक खेलते हैं और मेरे अंदर अब भी खेलने की इच्छा शक्ति है। इसी इच्छा शक्ति के कारण ही मैंने कभी हार नहीं मानी। बेनजेमा ने इस पुरस्कार की दौड़ में सादियो माने और मैनचेस्टर सिटी के केविन डि ब्रून को पछाड़ा। माने पिछले सत्र में लीवरपूल की ओर से खेले थे लेकिन इस सत्र के लिए बायर्न म्यूनिख के साथ जुड़े। पहली बार बेलोन डिओर पुरस्कार पिछले सत्र की उपलब्धियों के आधार पर दिया गया। इससे पहले कैलेंडर वर्ष में प्रदर्शन के आधार पर यह पुरस्कार दिया जाता था। यह पुरस्कार फ्रांस की फुटबॉल मैग्जीन बेलोन डिओर देती है। पुरुष वर्ग में यह पुरस्कार 66 वर्षों से दिया जा रहा है। महिलाओं की ट्रॉफी की शुरुआत 2018 में हुई लेकिन 2020 में महामारी के कारण इसे रद्द कर दिया गया। दूसरी तरफ एलेक्सिया ने पिछले सत्र में 42 गोल दागे जबकि 22 गोल करने में मदद की। वह दूसरी बार यह पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं। एलेक्सिया ने बार्सीलोना के साथ पिछले सत्र में स्पेनिश लीग का खिताब जीता जबकि उनकी टीम चैंपियन्स लीग के फाइनल में पहुंची। बाएं पैर के घुटने में चोट के कारण वह जुलाई से फुटबॉल से दूर हैं। एलेक्सिया ने इस पुरस्कार की दौड़ में आर्सेनल की बेन मीड और चेल्सी की सैम केर को पछाड़ा। सर्वश्रेष्ठ अंडर-21 खिलाड़ी की कोपा ट्रॉफी बार्सीलोना के 18 साल के मिडफील्डर गोवी को दी गई। साल के सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर की गर्ड म्यूलर ट्रॉफी रॉबर्ट लेवानदोवस्की को मिली। रीयाल मैड्रिड के थिबोट कोर्टोइस को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया।

बीसीसीआई अध्यक्ष चुने गए बिन्नी, गांगुली की जगह ली

एजेंसी ■ मुंबई

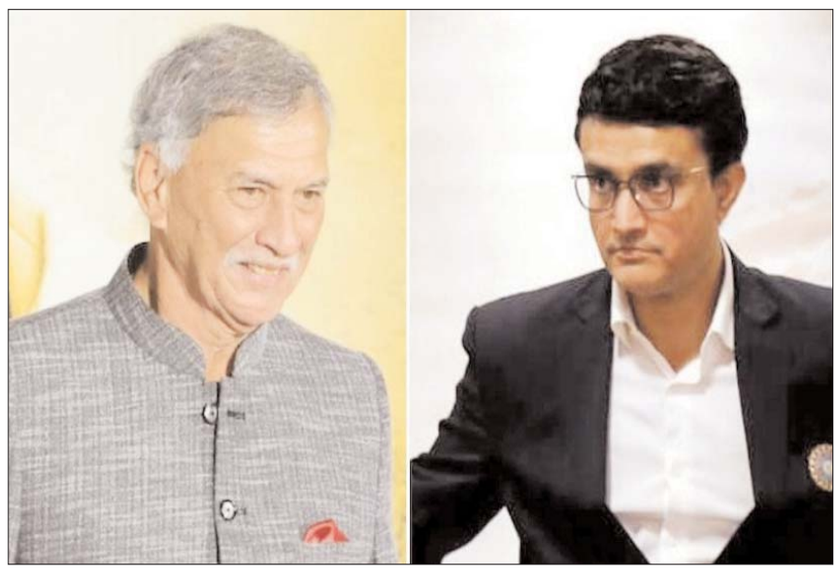

भारत की विश्व कप (1983) विजेता टीम के सदस्य रहे रोजर बिन्नी को मंगलवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का 36वां अध्यक्ष चुना गया। वह पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की जगह दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड का संचालन करेंगे। बिन्नी को यहां बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में निर्विरोध चुना गया। जय शाह को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए पुनः सचिव चुना गया। इन दोनों के अलावा जिन अन्य पदाधिकारियों को निर्विरोध चुना गया उनमें कोषाध्यक्ष आशीष शेलार, उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और संयुक्त सचिव देवजीत सेकिया शामिल हैं। भारत के लिए 27 टेस्ट और 72 एकदिवसीय खेलने वाले 67 साल के बिन्नी भारत में अगले साल होने वाले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप से पहले पद संभाल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन पद के चुनाव को लेकर हालांकि कोई चर्चा नहीं हुई। आईसीसी का अगला चेयरमैन अगले महीने मेलबर्न में बोर्ड की बैठक के दौरान चुना जाएगा। इस मुद्दे पर एजीएम के नतीजे का बेसब्री से इंतजार था लेकिन बीसीसीआई ने राजनीतिक गलियारों में यह मुद्दा उठनके बाद बीसीसीआई ने इस पर कोई फैसला नहीं लिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल ही में अपील की थी कि गांगुली को आईसीसी चुनाव लड़ने की अनुमति दी जाए क्योंकि पूर्व भारतीय कप्तान को बीसीसीआई ने अध्यक्ष के रूप में दूसरा कार्यकाल देने से इनकार किया था। आईसीसी अध्यक्ष का चुनाव अगले महीने मेलबर्न में बोर्ड की बैठक के दौरान किया जाएगा, लेकिन ऐसा लगता है कि ग्रेग बार्कले अपने लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए इस भूमिका में बने रहेंगे। आईसीसी चेयरमैन पद के लिए नामांकन की समय सीमा 20 अक्टूबर है और बीसीसीआई के इस पद के लिए अपने उम्मीदवार को नामित करने की संभावना बेहद कम है। एजीएम में हिस्सा लेने वाले एक राज्य इकाई के अधिकारी ने पीटीआई को बताया, जहां तक आईसीसी में भारत के प्रतिनिधित्व का सवाल है तो इस पर फैसला पदाधिकारी करेंगे। आईसीसी के चेयरमैन पद को लेकर कोई चर्चा नहीं की गई। सिर्फ एजेंडे में शामिल मामलों पर चर्चा की गई। निवर्तमान कोषाध्यक्ष अरूण धूमल को अविषेक डालमिया के साथ आईपीएल संचालन परिषद में जगह मिली। धूमल आईपीएल के नए अध्यक्ष होंगे। वह ब्रिजेश पटेल की जगह लेंगे।

बीसीसीआई ने बयान में कहा, आम सभा ने निवर्तमान पदाधिकारियों, आईपीएल संचालन परिषद के अध्यक्ष और सदस्यों की उनके कार्यकाल के दौरान हुए कामों और प्रयासों की सराहना की। एमकेजे मजूमदार को बीसीसीआई की शीर्ष परिषद में आम सभा का प्रतिनिधि चुना गया। आम सभा ने पहले महिला आईपीएल टूर्नामेंट को भी स्वीकृति दी जिसमें पांच टीम होंगी और यह मार्च में आयोजित होगा। एक सूत्र ने कहा, टीमों की बिक्री कैसे होगी और टूर्नामेंट का संचालन कैसे होगा इसका फैसला संचालन परिषद जल्द ही करेगी।

एक नजर

विलारीयाल ने ओसासुना को हराया

मैड्रिड। आरनोट डेंजुमा के दो गोल से विलारीयाल ने ओसासुना को 2-0 से हराकर स्पेनिश लीग में पिछले चार मैच से जीत के इंतजार को खत्म किया। डेंजुमा ने दोनों हाफ में एक-एक गोल किया। उन्होंने दूसरा गोल पेनल्टी किक पर किया। यह सितंबर की शुरुआत से विलारीयाल की पहली जीत है। इस जीत से विलारीयाल की टीम सातवें स्थान पर पहुंच गई है। ओसासुना की टीम नौवें स्थान पर खिसक गई है। रीयाल मैड्रिड ने रविवार को बार्सीलोना को 3-। से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर तीन अंक की बढ़त बना ली थी।

रोमा ने सेम्पडोरिया को हराया

मिलान। अंतिम स्थान पर चल रहे सेम्पडोरिया को।-0 से हराकर रोमा सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। सोमवार को हुए इस मुकाबले के दौरान सेम्पडोरिया के पूर्व अध्यक्ष मासिमो फरेरो को सुरक्षाबलों को सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा। रेमा की ओर से मैच का एकमात्र गोल पहले हाफ के शुरुआती लम्हों में ही लोरेंजो पेलेग्रिनी ने पेनल्टी पर किया। शीर्ष पर चल रहे नेपोली और रेमा के बीच अब सिर्फ चार अंक का अंतर है। सेम्पडोरिया के 10 मैच में सिर्फ तीन अंक हैं। फर्जी दिवालियापन के मामले में गिरफ्तारी के बाद से फरेरो एक साल से भी अधिक समय बाद सेम्पडोरिया पहुंचे। गिरफ्तारी के बाद उन्हें अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा था। स्टेडियम में उनकी मौजूदगी पर दर्शकों ने उनकी हूटिंग की और अपमानजनक नारे लगाए और अंततः मैच शुरू होने के 15 मिनट बाद नाखुश प्रशंसकों से बचाने के लिए सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी में उन्हें स्टेडियम से बाहर ले जाया गया। एक अन्य मुकबाले में फायोरेंटिना ने लीस को।-। से बराबरी पर रोका।

श्रीकांत, त्रीसा-गायत्री डेनमार्क ओपन के दूसरे दौर में

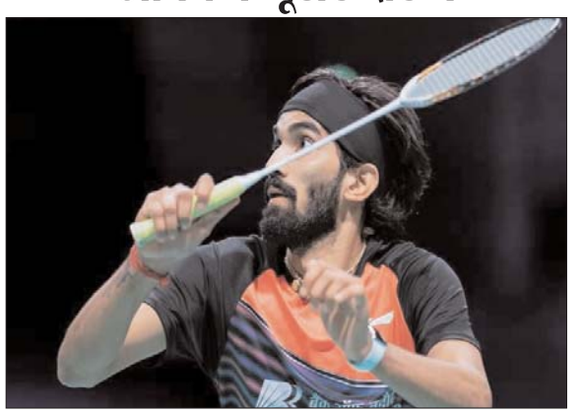

एजेंसी ■ ओडेंसे

पूर्व चैम्पियन किदांबी श्रीकांत ने हांगकांग के एनजी का लोंग एंगस की कड़ी चुनौती से पार पाकर मंगलवार को यहां डेनमार्क ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। श्रीकांत ने पांच साल पहले यहां खिताब जीता था। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने विश्व में 14वें नंबर के हांगकांग के खिलाड़ी को 56 मिनट तक चले मुकाबले में 17-21, 21-14, 21-12 से हराया। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जोड़ी ने भी महिला युगल के अपने पहले मैच में डेनमार्क की एलेक्जेंड्रा बोए और अमाली मैगलुंड को 21-15, 21-15 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। भारतीय जोड़ी का सामना जोंगकोलफन किंतिथाराकुल और रविंदा प्राजोंगजाई की थाईलैंड की छठी वरीय जोड़ी से होगा। इससे पहले श्रीकांत और एंगस के बीच रिकॉर्ड 3-3 से बराबर था। श्रीकांत को एंगस ने शुरू में कड़ी चुनौती दी और वह जल्द ही पिछड़ गए। हांगकांग के खिलाड़ी ने पहले गेम के इंटरवल तक 11-8 से बढ़त हासिल कर रखी थी। एंगस ने इसके बाद भारतीय खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में श्रीकांत ने शुरू में 6-3 से बढ़त हासिल की लेकिन एंगस ने जल्द ही वापसी करके 10-8 से बढ़त बना दी। श्रीकांत ने सही समय पर अपने खेल में सुधार किया और लगातार आठ अंक बनाकर 16-10 से बढ़त हासिल की। उन्होंने इसके बाद भी अच्छा प्रदर्शन किया और मैच को निर्णायक गेम तक खींच दिया। श्रीकांत ने तीसरे गेम में शानदार शुरुआत की और इंटरवल तक वह 11-4 की मजबूत बढ़त पर थे। इसके बाद उन्होंने कुछ शानदार शॉट जमा कर यह गेम और मैच अपने नाम किया।

इंडियन ऑयल के अभियान परिवर्तन - प्रिजन टु प्राइड के अंतर्गत आयोजित इंटरनेशनल चेस चैंपियनशिप में यरवदा जेल की टीम ने ब्रांज मेडल जीता।

वैभव

फिंच की जगह ऑस्ट्रेलिया के नए एकदिवसीय कप्तान बने कमिंस

मेलबर्न। स्टार तेज गेंदबाज पैट कमिंस को ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है क्योंकि आरोन फिंच ने पिछले महीने इस प्रारूप से संन्यास ले लिया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने पुष्टि की कि 29 साल के कमिंस भारत में अगले साल होने वाले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की अगुआई करेंगे। कमिंस ऑस्ट्रेलिया के 27वें एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय कप्तान होंगे। उन्होंने कप्तानी की दौड़ में स्टीव स्मिथ, ग्लेन मैक्सवेल और एलेक्स कैरी को पछाड़ा। कमिंस सफेद गेंद के क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीम की अगुआई करने वाले पहले तेज गेंदबाज हैं। सीए ने हालांकि अब तक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम के उप कप्तान की घोषणा नहीं की है। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बैली ने कहा, टेस्ट टीम की कमान संभालने के बाद से पैट (कमिंस) ने शानदार काम किया है और हम भारत में 2023 विश्व कप में उनके एकदिवसीय टीम की कमान संभालने को लेकर उत्सुक हैं। डेविड वार्नर के नाम पर विचार नहीं किया गया क्योंकि उनके कप्तान बनने पर लगा आजीवन प्रतिबंध अब भी जारी है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया हालांकि अपनी आचार संहिता में बदलाव पर विचार कर रहा है। कमिंस को पिछले साल ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया था। फिंच टी20 टीम की अगुआई करना जारी रखेंगे।

रुतुराज की शतकीय पारी से महाराष्ट्र ने दर्ज की बड़ी जीत

एजेंसी ■ चंडीगढ़

सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की आक्रामक शतकीय पारी के दम पर महाराष्ट्र ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी मैच में मंगलवार को यहां केरल पर 40 रन से जीत दर्ज की। कप्तान गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और फिर 68 गेंदों में 114 रन की पारी के दौरान सात छक्के और आठ चौके जड़े। महाराष्ट्र ने चार विकेट पर 167 रन बनाने के बाद केरल को 20 ओवरों में आठ विकेट पर 127 रन पर रोक दिया। केरल के लिए रोहन कुन्नुम्मल ने सबसे ज्यादा 44 गेंदों में 58 रन बनाए। महाराष्ट्र के लिए सत्यजीत बछाव (11 रन देकर तीन विकेट) और अजीम काजी (25 रन देकर दो विकेट) ने क्रमशः तीन और दो विकेट लिए, जबकि राजवर्धन हंगरगेकर (16 रन पर एक विकेट) और शमशुजामा काजी (आठ रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट लिया। ग्रुप के अन्य मैचों में कर्नाटक ने अरुणाचल प्रदेश को 10 विकेट जबकि हरियाणा ने जम्मू कश्मीर को चार विकेट से हराया। कर्नाटक ने विधावत कावेरप्पा (22 रन पर तीन विकेट) और वी कौशिक (पांच रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर अरूणाचल को 19.2 ओवर में 75 रन पर आउट कर दिया।

मंधाना, दीप्ति ने हासिल की टी20 में सर्वश्रेष्ठ करियर रैंकिंग

एजेंसी ■ दुबई

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और हरफनमौला दीप्ति शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों और गेंदबाजों की सूची में करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। मंधाना और दीप्ति दोनों ने साप्ताहिक जारी होने वाली रैंकिंग में क्रमशः बल्लेबाजों और गेंदबाजों की सूची में एक-एक स्थान का सुधार किया है। मंधाना एकदिवसीय मैचों में शीर्ष रैंकिंग की बल्लेबाज रह चुकी हैं। उन्होंने टी20 प्रारूप में खेले गए एशिया कप के फाइनल 25 गेंद में नाबाद 51 रन बनाकर भारत को चैम्पियन बनाने में अहम भूमिका अदा की और इस प्रारूप में अपनी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की। मंधाना के नाम 730 रेटिंग अंक हैं और वह शीर्ष पर काबिज ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी से 13 अंक पीछे है। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में थाईलैंड के खिलाफ सात रन देकर तीन विकेट लेन के बाद फाइनल में चार ओवर में सिर्फ सात रन खर्च करने वाली दीप्ति 742 रेटिंग के साथ गेंदबाजों की सूची में दूसरे पायदान पर हैं। शीर्ष पर काबिज इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन के नाम उन से 14 अंक ज्यादा हैं। दीप्ति हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में 370 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। इस तालिका में वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज (377) और न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन (390) शीर्ष दो खिलाड़ी हैं। एशिया कप के फाइनल में पांच रन देकर तीन विकेट लेकर मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनीं तेज गेंदबाज रेणुका सिंह पांच स्थान के सुधार के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। इस सूची में स्नेह राणा भी पांच पायदान ऊपर करियर के सर्वश्रेष्ठ 10वें स्थान पर हैं। भारत की विस्फोटक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (एक पायदान के फायदे से सातवें) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (तीन पायदान के फायदे से 14वें) को भी नवीनतम रैंकिंग में फायदा हुआ है। बाएं हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ (15 पायदान के फायदे से 17वें) भी रैंकिंग में सुधार करने में सफल रही हैं।

फैसला

एशिया कप के 2023 सत्र को 50 ओवर के प्रारूप में खेला जाएगा।

भारत एशिया कप के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगा

एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि भारतीय टीम अगले साल एशिया कप के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी और टूर्नामेंट को तटस्थ स्थल पर कराए जाने की मांग करेगी। एशिया कप के 2023 सत्र को 50 ओवर के प्रारूप में खेला जाएगा। भारत में आयोजित होने वाले विश्व कप से पहले खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान को सौंपी गई है। सीआई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद शाह ने कहा, हमने फैसला किया है कि हम पाकिस्तान नहीं जाएंगे। हम तटस्थ स्थान पर खेलेंगे। शाह को इस एजीएम में दूसरे कार्यकाल के लिए सचिव के रूप में फिर से चुना गया। वह एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के भी अध्यक्ष हैं। इससे पहले भी एशिया कप का आयोजन तटस्थ स्थल पर हो चुका है। मेजबान श्रीलंका ने आर्थिक संकट के बीच एशिया कप 2022 की मेजबानी करने में असमर्थता जताई थी जिसके बाद इसका आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया गया था। भारत और पाकिस्तान की टीमें दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण केवल एशिया कप और वैश्विक आयोजनों में एक-दूसरे से खेलती हैं। दोनों टीमों ने पिछले महीने एशिया कप में दो बार एक-दूसरे का सामना किया था। अब दोनों टीमें 23 अक्टूबर को मेलबर्न में भिड़ेंगी।

एजीएम में बताया गया कि बीसीसीआई के खजाने में पिछले तीन वर्षों में लगभग 6000 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है। निवर्तमान कोषाध्यक्ष और आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) के नए अध्यक्ष अरुण धूमल ने राज्य इकाइयों को सूचित किया कि पिछले तीन वर्षों में बीसीसीआई का खजाना 3648 करोड़ रुपए से बढ़कर 9629 करोड़ रुपए हो गया है। गांगुली के नेतृत्व वाले प्रशासन ने 2019 में उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति (सीओए) के 33 महीने के कार्यकाल के बाद कार्यभार संभाला था। धूमल ने यहां अपने संबोधन में कहा, मौजूदा टीम ने 2019 में जब बीसीसीआई की बागडोर संभाली, तब उसके खजाने में 3648 करोड़ रुपए थे। आज इसके खजाने में 9629 करोड़ रुपए का कोष है। उन्होंने कहा, राज्य संघों को दी जाने वाली रकम में पांच गुना इजाफा हुआ है। सीओए के कार्यकाल के समय राज्य संघों को 680 करोड़ रुपए दिए जाते थे जो अब बढ़कर 3295 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

तैयारी के लिए पांच महीने पर्याप्त नहीं: थॉमस डेनरबी

भुवनेश्वर। भारत के मुख्य कोच थॉमस डेनरबी ने कहा कि फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप की तैयारियों के लिए पांच महीने का समय पर्याप्त नहीं था। भारत लगातार तीन हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गया है। इन मैचों में उसने कुल 16 गोल खाए। डेनरबी ने कहा, हम मार्च से अपने परिवारों से दूर थे और हमने अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास किया लेकिन हमें यह स्वीकार करना होगा कि सर्वश्रेष्ठ टीमों को चुनौती देने के लिए तैयार रहने के लिए पांच महीने का समय पर्याप्त नहीं था। भारत को टूर्नामेंट का मेजबान होने के कारण मुख्य ड्रा में जगह मिली थी। उसे सोमवार को अपने आखिरी ग्रुप मैच में ब्राजील से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह से भारत प्रतियोगिता में एक भी गोल करने में नाकाम रहा।

गुजरात में बनाएंगे विश्वस्तरीय सरकारी स्कूल : सिसोदिया

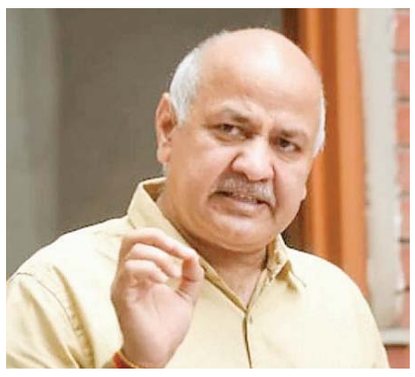

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार बनने के बाद साल भर के अंदर गुजरात के आठ बड़े शहरों में हर चार किमी पर शानदार विश्वस्तरीय सरकारी स्कूल बनायेंगे जाएंगे जो आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे।

चुनावी वादा

श्री सिसोदिया ने अहमदाबाद में मंगलवार को कहा कि आप की सरकार बनने के मात्र एक साल के भीतर गुजरात के आठ बड़े शहरों वडोदरा, अहमदाबाद, सूरत, भावनगर, जामनगर, राजकोट, गांधीनगर, जूनागढ मे हर चार किमी पर विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस सरकारी स्कूल बनायेंगे जाएंगे ताकि हर अभिभावक को अपने घर से कुछ दूर पर ही अपने बच्चे के लिए फ्री व शानदार शिक्षा देने वाला स्कूल मिल सकें। उन्होंने कहा कि हमने गुजरात के 1-1 स्कूल की स्टडी की है, उसकी मैपिंग करवाई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पास स्कूलों को ठीक करने का प्लान है कि कैसे गुजरात के खस्ताहाल पड़े स्कूलों को दिल्ली के सरकारी स्कूलों की तरह शानदार बनाया जा सकता है इसलिए गुजरात के लोग एक बार अरविंद केजरीवाल की राजनीति को मौका दे। हम दिल्ली की तरह गुजरात में भी शानदार सुविधाओं वाले सरकारी स्कूल बनाएंगे।

दिल्ली-पंजाब से लेकर उत्तराखंड तक 50 जगहों पर एनआईए की छापेमारी

आतंकियों पर प्रहार : आतंकी कनेक्शन को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी की देशभर में कई गैंगस्टर्स के ठिकानों पर छापेमारी जारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने देशभर में आतंकी कनेक्शन को लेकर कई गैंगस्टर्स के ठिकानों पर छापेमारी शुरू की है। जांच एजेंसी की ये कार्रवाई दिल्ली समेत 50 जगहों पर हो रही है। एनआईए ने भारत और विदेशों में स्थित आतंकवादियों, गैंगस्टरों और ड्रग तस्करों के बीच बढ़ते गठजोड़ को खत्म करने के लिए एक्शन लिया है और पंजाब से लेकर हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में कई स्थानों पर छापेमारी कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक की छापेमारी में कई हथियार बरामद किए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने बीते दिनों दो मामले दर्ज किए थे उन्हीं मामलों को संज्ञान में लेते हुए एनआईए ने एक्शन लिया है। दरअसल जांच में सामने आया कि विदेशों में बैठे गैंगस्टर और हिंदुस्तान की अलग-अलग जेलों में बंद गैंगस्टर अपना एक अलग लेवल का नेटवर्क चला रहे हैं और लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

इतना ही नहीं जांच में ये भी सामने आया कि इन गैंगस्टर्स के लिंक आतंकी संगठनों से भी हैं। ये गैंगस्टर्स बड़े पैमाने पर लोगों के बीच आतंक पैदा करने के लिए और वारदातों को प्रचारित कर साइबर स्पेस का इस्तेमाल कर रहे थे। वहीं, जो गैंगस्टर्स विदेश भाग गए हैं वो वहीं से ऑपरेट कर रहे हैं जैसे पाकिस्तान, कनाडा, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया सहित विदेशों से अपना गैंग चला रहे हैं।

50 स्थानों पर छापेमारी: ये गिरोह ड्रग्स और हथियारों की तस्करी के जरिए आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए फंड भी जुटा रहे थे। इनके पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए मंगलवार को एनआईए ने फाजिल्का, फरीदकोट, मुक्तसर साहब, मोगा, तरण तारन, अमृतसर, लुधियाना, चंडीगढ़, पंजाब के मोहाली जिलों, पूर्वी गुरुग्राम, भिवानी, में 50 स्थानों पर छापेमारी की। हरियाणा के यमुनानगर, सोनीपत और झज्जर जिले, राजस्थान के हनुमानगढ़ और गंगानगर जिले और दिल्ली/एनसीआर के द्वारका, आउटर नार्थ, नार्थ ईस्ट, नार्थ वेस्ट और शाहदरा में छापेमारी की। गोल्डी बराड़ (कनाडा), लॉरेंस बिश्नोई, जग्गू भगवानपुरिया, वरिंदर प्रताप उर्फ काला राणा, काला जठेड़ी, विक्रम बराड़, गौरव पटियाल उर्फ लकी पटियाल (जिसे पहले आर्मेनिया में गिरफ्तार किया गया था), नीरज बवानिया के ठिकानों पर आज सुबह तलाशी ली गई। कौशल चौधरी, टिल्लू ताजपुरिया, अमित डागर, दीपक कुमार, टीनू, संदीप, इरफान, पहलवान, आशिम, हाशिम बाबा, सचिन भांजा। ये वो गैंगस्टर्स है जिनके ठिकानों पर रेड की गई।

हथियार हुए बरामद

एनआईए को मंगलवार को तलाशी के दौरान 6 पिस्टल, एक रिवॉल्वर, एक शॉटगन और गोला-बारूद बरामद किया है। इसके अलावा, ड्रग्स, नकदी, आपत्तिजनक दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, बेनामी संपत्ति के कागजात, धमकी के खत एनआईए ने जब्त किए है। दरअसल, जम्मू कश्मीर में आतंक को फैलाने के लिए विदेश से पैसा लाकर आतंकियों तक पहुंचाया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों की नजर इस नेटवर्क पर खास है।

वहीं, पिछले 9 महीनों में सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र में 191 ड्रोन को घुसते देखा है जो देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बेहद गंभीर मामला है। वहीं, देश में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं जिनमें आतंकवादियों, गैंगस्टर्स और ड्रग्स तस्कर नेटवर्क के बीच गहरी साजिश दिखी है जिसको लेकर जांच एजेंसियां सख्त बनी हुई हैं।

अफ्रीकी देशों की हर जरूरत पूरी करने के लिए तैयार है भारत

गांधीनगर ■ एजेंसी

12 वीं रक्षा प्रदर्शनी

भारत ने शांति, सुरक्षा, स्थिरता , विकास और खुशहाली के अफ्रीकी देशों के प्रयासों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि ये देश उसकी शीर्ष प्राथमिकता में हैं और वह सुरक्षा तथा रक्षा क्षेत्र सहित इनकी हर जरूरत को पूरा करने को तैयार है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवर को यहां 12वीं रक्षा प्रदर्शनी के दौरान दूसरे भारत अफ्रीका रक्षा संवाद में अपने संबोधन में कहा कि अफ्रीकी देश भारत की सबसे बडी प्राथमिकता है और इन देशों के साथ हमारी साझेदारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उन 10 सिद्धांतों पर केंद्रित हैं जिनका उल्लेख उन्होंने 2018 में युगांडा की संसद को संबोधित करते हुए किया था! भारत अफ्रीकी देशों के साथ संबंधों को पुख्ता बनाने के लिए तेजी से काम कर रहा है। साथ ही वह आतंकवाद और उग्रवाद से निपटने में सहयोग के अलावा महासागरों विशेष रूप से हिन्द महासागर में खुली , स्वतंत्र तथा नियम आधारित व्यवस्था के लिए भी काम कर रहा है। अफ्रीकी देशों के साथ पुराने सांस्कतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन देशों के साथ भारत के आर्थिक,राजनयिक और रक्षा क्षेत्र में व्यापक संबंध हैं । उन्होंने कहा,अफ्रीकी देशों की प्राथमिकता हमारी प्राथमिकता है ! हम साझा अफ्रीकी शांति तथा सुरक्षा तंत्र बनाने के आपके प्रयासों की सराहना करते हैं ।

दुनिया के सबसे बड़े दाग रहित हीरे की नीलामी

लंदन ■ एजेंसी

दुनिया के सबसे बड़े दाग रहित हीरा कम से कम 1.3 करोड़ पाउंड में बिकने के लिए तैयार है।

ब्रिटिश अखबार द सन की रिपोर्ट के मुताबिक पीले रंग के नाशपाती के आकार की गोल्डन कैनरी इस हीरे का 303.10 कैरेट का है। इसे दुबई के गल्फ अमीरात में प्रदर्शित किया गया। 1980 के दशक में अपने चाचा के बगीचे में खेल रही एक युवा लड़की द्वारा मलबे के ढेर से इसे खोजा गया था। उस समय यह 890 कैरेट का खुरदरा हीरा था, जिसे दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा हीरा होने का गौरव प्राप्त है। बाद में नाशपाती के आकार में काटे जाने के बाद, यह जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका द्वारा अब तक का सबसे बड़ा दाग रहित हीरा बनाया गया। उल्लेखनीय है कि दिसंबर में न्यूयॉर्क में सोथबीज द्वारा बिना रिजर्व के हीरे की नीलामी की जाएगी। यह पहली बार नहीं है,जब लाखों रुप की कीमत वाले हीरे को नीलामी के लिए रखा गया है।

ब्रिटेन में मनाई गई दिवाली, जगमगाए दीप

लंदन में वेस्टमिंस्टर के पैलेस के हाउस ऑफ पार्लियामेंट काम्प्लेक्स में स्पीकर हाउस के स्टेट रूप में दिवाली समारोह दीप प्रज्जवलित कर मनाया गया।

ईरानी ड्रोन ने प्रतिबंधों का उल्लंघन किया : अमेरिका

वाशिंगटन ■ एजेंसी

ड्रोन यूएनएससी के प्रस्ताव 2231 का सीधा उल्लंघन

अमेरिका ने मंगलवार को कहा कि वह पश्चिमी देशों की बात से सहमत है कि ईरान ने रूस को विस्फोटक ड्रोन की आपूर्ति कर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों का उल्लंघन किया है।

यूक्रेन की राजधानी कीव में सोमवार को तथाकथित 'कामिकेज़' ड्रोन को मार गिराया गया था, जिसे रूस ने छोड़ा था। माना जा रहा है कि यह ड्रोन ईरान में निर्मित हुआ था। अमेरिकी विदेश मंत्रालय कहा कि वह फ्रांस और ब्रिटेन से सहमत है कि यह ड्रोन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2231 का उल्लंघन करता है। ईरान के परमाणु समझौते से संबद्ध यह प्रस्ताव ईरान को कुछ सैन्य तकनीकों का हस्तांतरण करने पर रोक लगाता है। यूक्रेन ने ड्रोन या यूएवी की पहचान ईरानी शाहिद-136 हथियारों के रूप में की है। उन्हें द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से कामिकेज़ ड्रोन भी कहा जाता है। दूसरी तरफ ईरान ने रूस को ड्रोन की आपूर्ति करने की बात से इंकार किया है, लेकिन अमेरिकी विदेश विभाग के वेदांत पटेल ने कहा कि अमेरिका ने सार्वजनिक रूप से उजागर किया है कि ईरान ने रूस को ड्रोन दिया है जो कि रूस द्वारा सैकड़ों ईरानी यूएवी आयात करने की योजना का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में रूस द्वारा उनका उपयोग करने के व्यापक सबूत मिले हैं।

हिमाचल विस चुनाव : कांग्रेस की 46 प्रत्याशियों की सूची जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 46 उम्मीदवारों की पहली सूची मंगलवार को जारी कर दी। कांग्रेस की चुनाव प्रभारी मुकुल वासनिक ने कहा कि चुनाव समिति ने इन नामों को अंतिम रूप दिया है। पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र सिंह तथा प्रतिभा सिंह के पुत्र विक्रमादित्य सिंह को शमिला ग्रामीण से टिकट दिया है जबकि विधानसभा में विपक्ष के नेता मुकेश अग्निहोत्री को हरोली, वरिष्ठ नेता आशा कुमारी को डलहौजी और सुखविंदर सुक्खू नादौन से चुनाव मैडीसन में उतारा गया है। हिमाचल प्रदेश की 68 विधानसभा सीटों के लिए राज्य के 55 लाख मतदाता 12 नवंबर को एक ही चरण में मतदान करेंगे। नामांकन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर और नामांकन पत्रों की जांच 27 को की जाएगी। उम्मीदवार 29 अक्टूबर तक नाम वापस ले सकेंगे। आठ दिसंबर को चुनाव परिणाम घोषित किये जायेंगे।

दिल्ली में भाजपा बैठक में प्रत्याशियों के नाम पर चर्चा

हिमाचल प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर मंगलवार को दिल्ली में भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई। बैठक में पीएम मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।बैठक में हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों को लेकर चर्चा की गई।भाजपा की ओर से अब हिमाचल प्रदेश की 68 सीटों में से लगभग 50 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की जा सकती है। सूत्र कहते हैं इस बैठक में हिमाचल चुनाव में सभी उम्मीदवारों के नाम पर अंतिम फैसला ले लिया गया है।

अमेरिका की मदद से ब्रांड यूपी की धूम, योगी ने दी यूएस पहल को गति

लखनऊ ■ ब्यूरो

उत्तर प्रदेश के उत्पादों को 'ब्रांड यूपी' के नाम से विश्व पटल पर पहचान दिलाने के लिये राज्य की योगी सरकार ने अमेरिका की पहल को गति प्रदान करने के सिलसिले को आगे बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ 'भारत अमेरिका रणनीतिक साझेदारी फोरम' (यूएसआईएसपीएफ) के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल की मंगलवार को बैठक संपन्न हुई। इसमें राज्य सरकार और यूएसआईएसपीएफ के प्रतिनिधि ब्रांड यूपी को वैश्विक पहचान दिलाने की रूपरेखा तय की। बैठक में मौजूद राज्य के मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने उप्र में पिछले साढ़े पांच वर्ष की उपलब्धियों और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास से अमेरिकी प्रतिनिधियों को अवगत कराया। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि योगी सरकार ने उप्र में ढांचागत विकास एवं परिवहन सुविधाओं में व्यापक सुधार किया है। इसके फलस्वरूप उप्र डाटा सेंटर के हब के रूप में उभरा है। साथ ही उप्र अब 'एक्सप्रेसवे प्रदेश' बन गया है।बैठक में उत्तर प्रदेश में बड़े निवेश के साथ ढांचागत योजनाओं को आगे बढ़ाने में अमेरिकी मदद को सुनिश्चित किया गया। गौरतलब है कि लखनऊ में 'ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 23' के पहले मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को 15 देशों के राजनयियों के साथ प्रदेश में निवेश के मुद्दे पर व्यापक चर्चा की थी।

एनसीबी अफसरों के खिलाफ विभागीय चार्जशीट दाखिल

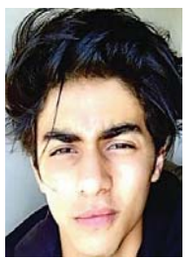

आर्यन ड्रग केस

मुंबई, (एजेंसी)। बालीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान से जुड़े ड्रग केस में अब एनसीबी के अधिकारियों के खिलाफ विभागीय चार्जशीट दाखिल की गई है। इनमें से कुछ अधिकारी अभी भी एनसीबी से जुड़े हैं और कुछ अन्य एजेंसियों के पास गए हैं, उन अफसरों के खिलाफ चार्जशीट संबंधित अफसरों को सौंप दी है।

जांच में गड़बड़ी के आधार पर सजा की सिफारिश का अधिकार: सीसीए के नियमों के अनुसार, विभागीय जांच के दौरान विजिलेंस टीम को जांच के दौरान मिली गड़बड़ी के आधार पर सजा की सिफारिश करने का अधिकार है। यदि उल्लंघन प्रकृति में बहुत गंभीर हैं तो अधिकारियों को सेवाओं से हटाने के लिए सिफारिश की जा सकती है या नियमों के अनुसार दंडित किया जा सकता है।

एनसीबी ने इसलिए पेश किया आरोप पत्र: नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (ह्यष्टक्र) की सतर्कता टीम ने आर्यन खान ड्रग केस में एनसीबी के सात-आठ अधिकारियों के खिलाफ गंभीर सतर्कता चूक और अनियमितताओं का पता लगाने के बाद आरोप पत्र पेश किया है।

पीएम की मौजूदगी में अयोध्या में बनेगा रिकॉर्ड

लखनऊ, (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगवानी के लिए रामनगरी अयोध्या तैयार हो रही है। भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के लिए पांच अगस्त 2021 को भूमि पूजन के बाद अब एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अयोध्या आगमन रविवार 23 अक्टूबर को होगा। पीएम मोदी का अयोध्या में करीब तीन घंटे का प्रवास रहेगा, इस दौरान कई कार्यक्रम में शामिल होने के साथ ही वह रामनगरी से प्रदेश को बड़ा संदेश भी देंगे। इस बार अयोध्या में उनके समक्ष 15 लाख रिकॉर्ड दिए जलेंगे। पीएम मोदी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद राम जी की पैड़ी पर दीपोत्सव मनाएंगे।

आज का इतिहास

- **1630:** बोस्टन में पहली बार आम अदालत का आयोजन किया गया।
- **1739:** इंग्लैंड ने स्पेन पर युद्ध की घोषणा की।
- **1853:** अमेरिका के हवाई प्रांत में पहली आटा चक्की शुरू की गयी।
- **1889:** फ्रांसीसी नेता नेपोलियन बोनापार्ट ने रूस की राजधानी से अपनी सेना हटाई।
- **1900:** जर्मन वैज्ञानिक माक्स प्लांक ने 'प्लांक का नियम' प्रतिपादित किया।
- **1915:** रूस और इटली ने बुल्गारिया पर युद्ध की घोषणा की।
- **1926:** जॉन सी गैरेंड ने सेमी ऑटोमेटिक राइफल का पेटेंट कराया।
- **1932:** ब्रिटिश सरकार ने सोवियत संघ संग व्यापार करार पर हस्ताक्षर किये।
- **1932:** फोर्ड मोटर के मालिक हेनरी फोर्ड का रेडियो पर पहला भाषण।
- **1950:** मदर टेरेसा द्वारा कलकत्ता में मिशनरी ऑफ़ चैरिटिज की स्थापना।

तीखा प्रहार केंद्रीय कानून मंत्री रिजिजू बोले- न्यायपालिका में मतभेद-गुटबाजी, पारदर्शिता भी नहीं

अपना काम छोड़कर एग्जीक्यूटिव का काम कर रहे जज

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि न्यायपालिका की कार्यवाही पारदर्शी नहीं है। वहां बहुत राजनीति हो रही है। यह पॉलिटिक्स बाहर से दिखाई नहीं देती है, लेकिन यहां बहुत मतभेद हैं और कई बार गुटबाजी भी देखी जाती है। रिजिजू ने कहा कि अगर जज न्याय देने से हटकर एग्जीक्यूटिव का काम करेंगे तो हमें पूरी व्यवस्था का फिर से आकलन करना होगा।

अहमदाबाद में आरएसएस की पत्रिका पांचजन्य की तरफ से आयोजित कार्यक्रम 'साबरमति संवाद' में पहुंचे रिजिजू ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में कॉलेजियम सिस्टम भी राजनीति से अछूता नहीं है। देश में जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया में बदलाव लाने की जरूरत है।

जज न्याय देने की बजाय दूसरे कामों में बिजी: रिजिजू ने कहा कि संविधान के मुताबिक जजों की नियुक्ति करना सरकार का काम है, लेकिन 1998 में सुप्रीम कोर्ट ने अपना कॉलेजियम सिस्टम शुरू कर दिया। दुनियाभर में कहीं भी जज दूसरे जजों की नियुक्ति नहीं करते हैं। जजों का मुख्य काम है न्याय देना, लेकिन मैंने नोटिस किया है कि आधे से ज्यादा समय जज दूसरे जजों की नियुक्ति के बारे में फैसले ले रहे होते हैं। इससे 'न्याय देने' का उनका मुख्य काम प्रभावित होता है।

रिजिजू ने कहा कि संविधान सबसे पवित्र दस्तावेज है। इसके तीन स्तंभ हैं- विधानमंडल, कार्यपालिका और न्यायपालिका। मुझे लगता है कि विधानमंडल और कार्यपालिका अपने कर्तव्य को लेकर बंधे हुए हैं और न्यायपालिका उन्हें बेहतर बनाने का काम करती है, लेकिन परेशानी की बात यह है कि जब न्यायपालिका अपने कर्तव्य से भटक जाती है तो उसे सुधारने का कोई रास्ता नहीं है।

भाजपा ने कभी न्यायपालिका के काम में दखल नहीं दिया: रिजिजू ने कहा कि भारत में गणतंत्र जीवंत है और कई बार इसमें तुष्टिकरण की राजनीति भी देखी जा सकती है। भाजपा सरकार ने न्यायपालिका को कभी कमतर नहीं समझा और न कभी इसे चैलेंज करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे काम नहीं करते हैं। अब अगर हम न्यायपालिका को नियंत्रित करने के लिए कुछ कदम उठाते हैं, तो यही लोग कहेंगे कि हम न्यायपालिका को कंट्रोल या प्रभावित करना चाहते हैं या जजों की नियुक्ति में दखल देना चाहते हैं। रिजिजू ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान तीन वरिष्ठ जजों को हटाकर अगले जज को सीजेआई बनाया गया था। मोदी सरकार ऐसे कामों में दखल नहीं देती है।

न्यायपालिका में सेल्फ रेगुलेटरी मैकेनिज्म हो: रिजिजू ने न्यायपालिका के अंतर्गत एक सेल्फ-रेगुलेटरी मैकेनिज्म की मांग की है जिससे जजों के तौर-तरीकों को नियंत्रित किया जा सके। रिजिजू ने कहा- मैंने कई मौकों पर देखा है कि कई जज बिना जमीनी हकीकत जाने अपनी ड्यूटी की सीमा से बाहर जाकर एग्जीक्यूटिव फंक्शन करने की कोशिश करते हैं। जब न्यायपालिका अपनी सीमा के बाहर जाती है तो जज वास्तविक समस्याओं और आर्थिक हालात से अनजान रहते हैं। बेहतर होगा कि जज अपनी-अपनी ड्यूटी पर ध्यान दें, वर्ना लोगों को ऐसा लग सकता है कि हम कार्यपालिका में एक्टिविज्म कर रहे हैं।

30 पूर्व सैन्य पायलट चीन सेना को कर रहे प्रशिक्षित

ब्रिटेन हुआ अलर्ट

लंदन, (एजेंसी)। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन अपने सैनिकों को प्रशिक्षित करने के लिए बड़ी रकम का लालच देकर ब्रिटेन के पूर्व सैन्य पायलटों को अपने यहां बुला रहा है। बीबीसी ने रिपोर्ट में कहा है कि कयास लगाए जा रहे हैं कि ब्रिटेन के 30 पूर्व सैन्य पायलट चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के सदस्यों को प्रशिक्षित करने गए थे।

रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन एक खुफिया अलर्ट जारी कर रहा है, जिसमें चीन की सेना के लिए काम करने को लेकर पूर्व सैन्य पायलटों को चेतावनी दी जाएगी। ब्रिटेन के अधिकारियों का कहना है कि हेडहंट पायलटों के प्रयास जारी हैं और हाल ही में इसमें तेजी आई है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि प्रशिक्षण और पायलटों की भर्ती ब्रिटेन के किसी भी मौजूदा कानून का उल्लंघन नहीं करती है, लेकिन ब्रिटेन और अन्य देशों के अधिकारी इन गतिविधियों को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा, 'यह एक आकर्षक पैकेज है, जो चीन की ओर से लोगों को दिया जा रहा है।' उन्होंने कहा, पैसा एक मजबूत प्रेरक है। कुछ लोगों को 2,70,000 डॉलर का पैकेज दिया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अशोक कुमार द्वारा राज तरूण आफसेट, एलजीएफ 5-14, अंसल सिटी सेंटर, निकट यूपी प्रेस क्लब, हजरतगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा ग्राम भुसना, पोस्ट भुसना, तहसील महमूदाबाद जनपद सीतापुर (उ0प्र0) से प्रकाशित। **सम्पादक : अशोक कुमार (मो. 9651086162) सहायक सम्पादक : प्रमोद कुमार शुक्ल (मो. 9450497420)।** इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.वी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सभी विवाद सीतापुर न्यायालय के आधीन होंगे।